गोरखपुर से प्रकाशित

RNI Reg. NO. UPBIL/2023/87841

साप्ताहिक

स्वदेशी इनक्रेडिबल

सिर्फ सच के साथ...

Web:www.sinews.in/E-mail: info@sinews.in

वर्ष : 02 अंक : 14 गोरखपुर रविवार 22 सितम्बर 2024 पृष्ठ : 8 मूल्य 02 रूपया

'10 अक्तूबर से पहले प्रदेश की सड़कों को गड्ढामुक्तबनाए'

मुख्यमंत्री योगी ने दिए निर्देश

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आगामी दिनों में शारदीय नवरात्रि, दशहरा तथा दीपावली आदि पर्व और त्योहारों के दृष्टिगत प्रदेश की सड़कों को गड्ढामुक्त बनाने के लिए जारी विशेष अभियान 10 अक्तूबर तक सम्पन्न करने के निर्देश दिए हैं। मंगलवार को विभिन्न विभागों के साथ बैठक करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्व व त्योहारों पर प्रदेश में आवागमन सामान्य की अपेक्षा अधिक होता है। बड़ी संख्या में विदेशी पर्यटक भी आते हैं। हर एक आदमी के लिए सड़क पर चलना सुखद अनुभव वाला हो, यह हम सभी की साझा जिम्मेदारी है। गड्ढामुक्ति और सड़कों की मरम्मत का काम अच्छी गुणवत्ता के साथ होना चाहिए। उन्होंने मंडी परिषद को निर्देश देते हुए कहा कि किसान सड़कों का सबसे बड़ा उपभोक्ता है। किसानों की सुविधा का खास ध्यान रखा जाए। एफडीआर पद्धति से सड़कें बनाई जाएं। इस पद्धति के माध्यम से प्राकृतिक संसाधनों, धन व समय की बचत होती है तथा कार्य की गुणवत्ता में सुधार होता है। उन्होंने कहा कि मंडी समिति के अंतर्गत आने वाली सभी सड़कों की मरम्मत एवं ड्रेनेज का कार्य निर्धारित समय में पूर्ण किया जाए। क्वालिटी का विशेष ध्यान रखा जाए। वहीं, एनएचएआई के अधिकारियों से संवाद करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जब तक हाईवे का निर्माण कार्य पूर्ण न हो जाए तब तक टोल टैक्स की वसूली न की जाए। गड्ढा मुक्ति अभियान के लिए विभागीय कार्ययोजना से अवगत होते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सड़कों के लिए बजट का कोई अभाव नहीं है, आवश्यकता है कि सभी विभाग बेहतर नियोजन करें। उन्होंने सभी विभागों को यह निर्देश दिए कि यह सुनिश्चित किया जाए कि सड़क बनाने वाली एजेंसी व ठेकेदार सड़क बनने के अगले पांच वर्ष तक उसके अनुरक्षण की जिम्मेदारी भी उठाएगा। इस बारे में नियम–शर्ते स्पष्ट रूप से उल्लिखित की जाएं। विभागीय मंत्री व अधिकारी फील्ड में रैंडम दौरा कर निर्माण परियोजनाओं की साप्ताहिक समीक्षा करें। कार्यों के प्रति जवाबदेही भी तय की जाय। मुख्यमंत्री ने कार्य को मैनुअल के स्थान पर मैकेनाइज़्ड किये जाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि सभी विभागों के पास सड़क मरम्मत के लिए पर्याप्त इक्विपमेंट होने चाहिए। सड़कों के पैच ठीक करने की कार्रवाई ऑटो मोड पर की जानी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सड़कों पर किए जाने वाले बेतरतीब कार्यों से दुर्घटना होने की संभावना बनती है। सड़कों पर सीवर लाइन तथा पाइपलाइन आदि डालने के बाद ठीक ढंग से मरम्मत की जानी चाहिए। सड़कों पर ऊंचे ब्रेकर से दुर्घटना होने की संभावना बनती है। अतः सड़कों पर टेबल टॉप ब्रेकर का निर्माण किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि गड्ढामुक्ति और नवनिर्माण के अभियान की जियो टैगिंग कराई जाए। इसे पीएम गतिशक्ति पोर्टल से जोड़ा जाना चाहिए, साथ ही इसी तर्ज पर अपना पोर्टल भी विकसित किया जाना चाहिए ताकि कार्य की गुणवत्ता की अनवरत मॉनीटरिंग की जा सके। एक्सप्रेसवे की मरम्मत का कार्य भी आगे बढ़ाया जाए, जिससे पर्व व त्योहारों पर लोगों का आवागमन सुगम हो सके। एमपी तथा एमएलए निधि के अंतर्गत बनी सड़कों की मरम्मत के लिए कार्य योजना तैयार करें। उन्होंने कहा कि गन्ना विभाग द्वारा गन्ना समिति तथा विद्यालयों के भवनों की मरम्मत की जाए।

प्रदेश में ग्राम सचिवालयों की अवधारणा को केंद्र सरकार ने मॉडल के रूप में स्वीकार किया है। ग्राम सचिवालयों की तर्ज पर गन्ना समिति के कार्यालयों का अपग्रेडेशन किया जाए। किसानों के लिए डिस्प्ले बोर्ड पर उपयोगी सूचनाएं प्रदर्शित की जाएं तथा किसानों की क्वेरीज का समाधान किया जाए। प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर मंडी समिति तथा औद्योगिक प्रतिष्ठानों में सीएसआर पद्धति के माध्यम से पेयजल, टॉयलेट, कैंटीन आदि सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रस्ताव तैयार किया जाए। इस कार्य से महिला स्वयं समूहों को भी जोड़ा जाए। मंडियों में कैंटीन के माध्यम से किसानों के लिए कम कीमत में भोजन की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। औद्योगिक प्रतिष्ठानों में सुरक्षा व्यवस्था के लिए सीसीटीवी, स्ट्रीट लाइट तथा साफ सफाई आदि की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

हरिनी अमरसूर्या बनीं श्रीलंका की नई प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति दिसानायके ने किया मंत्रालय का बंटवारा

श्रीलंका । राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने हरिनी अमरसूर्या को श्रीलंका का 16वां प्रधानमंत्री नियुक्त किया है। नेशनल पीपुल्स पावर (एनपीपी) पार्टी की अमरसूर्या एक शिक्षाविद, अधिकार कार्यकर्ता और विश्वविद्यालय की व्याख्याता हैं और उन्हें शिक्षा और सामाजिक न्याय के क्षेत्र में उनके काम के लिए जाना जाता है। उनकी नियुक्ति श्रीलंका की राजनीति में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। न्यूज़वायर की रिपोर्ट के अनुसार, वह सिरीमावो भंडारनायके और चंद्रिका भंडारनायके कुमारतुंगा के बाद श्रीलंका की तीसरी महिला प्रधानमंत्री बनी हैं। नए श्रीलंकाई प्रधानमंत्री पद संभालने वाले पहले शिक्षाविद से राजनेता बने हैं। हरिनी अमरसूर्या ने 2020 में एनपीपी राष्ट्रीय सूची के माध्यम से संसद में प्रवेश किया। श्रीलंका में हुए चुनाव में जनता विमुक्ति पेरामुना यानी जेवीपी के अनुरा कुमारा दिसायनके ने जीत हासिल की है। इस बार श्रीलंका के चुनावी मैदान में एक से एक धुरंधर थे। लेकिन इन सब के बीच एक साधारण परिवार से आने वाले दिसानायके ने जीत हासिल की है। इस बार के श्रीलंका के राष्ट्रपति चुनाव के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ जब किसी भी प्रत्याशी को बहुमत हासिल नहीं हुआ था।

चौथी बार सरकार बनने की गारंटी नहीं, लेकिन अठावले मंत्री जरूर, गडकरी ने ये क्या कह दिया

नागपुर। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने नागपुर में एक कार्यक्रम में कहा कि केंद्र में भाजपा चौथी बार सरकार बनाए इसकी कोई गारंटी नहीं है, लेकिन हमारे सहयोगी रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आरपीआई) के चीफ रामदास अठावले अगली सरकार में मंत्री जरूर बनेंगे। गौरतलब है कि केंद्रीय मंत्री आरपीआई नेता के एक बयान का जवाब दे रहे थे, जिनकी पार्टी केंद्र और राज्य में भाजपा के साथ गठबंधन में है। सभा को संबोधित करते हुए गडकरी ने कहा कि अभी रामदास अठावले ने कहा कि हम तीसरी और चौथी बार सत्ता में आएंगे। जबकि हमारे बारे में कोई गारंटी नहीं है, उनकी गारंटी निश्चित है। मैं यह मजाक में कह रहा हूं। चाहे कोई भी सरकार बनाए। रामदास जी को जगह सुनिश्चित है, जैसा कि उन्होंने खुद अपने भाषण में कहा था। यह ध्यान देने योग्य है कि केंद्रीय मंत्री गडकरी का यह बयान उस समय आया जब उन्होंने वर्ष 2024 के लिए भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर मेमोरियल अवार्ड (मारवाड़ी फाउंडेशन द्वारा दिया गया) रामदास अठावले को प्रदान किया। उन्होंने दलित समुदाय के लिए न्याय की वकालत करने के लिए उनके काम की भी प्रशंसा की।

हम तीनों मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं, हरियाणा में CM फेस को लेकर सुरजेवाला का बड़ा बयान

हरियाणा। विधानसभा चुनाव में शैलेजा बनाम हुड्डा की लड़ाई पर अब तक कोई सकारात्मक रुख

देखने को नहीं मिला है। वहीं अब पार्टी के राज्यसभा सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला ने भी मुख्यमंत्री पद को लेकर अपना दावा ठोक दिया है। उन्होंने भी खुद को हुड्डा और शैलेजा की तरह सीएम पद का दावेदार बताया है। एएनआई से बात करते हुए कांग्रेस सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा कि हर कोई मुख्यमंत्री बनना चाहता है। शैलजा जी और भूपेंद्र सिंह हुड्डा जी भी मुख्यमंत्री बनना चाहते होंगे। हम तीनों के अलावा यह किसी और का भी अधिकार हो सकता है। अंत में फैसला खरगे जी और राहुल गांधी जी को करना है। वे जो भी फैसला लेंगे, वह हमें स्वीकार्य होगा। इससे पहले खबर आई कि कांग्रेस महासचिव कुमारी सैलजा ने हरियाणा विधानसभा चुनाव के प्रचार अभियान से दूरी बनाने के चलते नाराजगी तथा पार्टी छोड़ने पर विचार करने से संबंधित तमाम अटकलों को खारिज करते हुए सोमवार को कहा कि सब जानते हैं कि वह 'कांग्रेसी' हैं तथा अगले दो–तीन दिन में चुनाव प्रचार का फिर से आगाज करेंगी। पार्टी के वरिष्ठ नेता रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि सैलजा 26 सितंबर को नरवाना में चुनावी सभा को संबोधित करेंगी। पूर्व केंद्रीय मंत्री सैलजा ने कहा था कि पार्टी में 100 तरह की बातें होती हैं, लेकिन वो पार्टी के अंदर की बातें होती हैं। पार्टी को जिताने के लिए हमने लोकसभा चुनाव में मेहनत की, उसके बाद भी मेहनत की, इसलिए कि हम जमीन पर कांग्रेस पार्टी को मजबूत कर सकें, हरियाणा के लोगों की लड़ाई लड़ें, अपने कार्यकर्ताओं की लड़ाई लड़ें।'' उनका कहना था, ''हमें उसी काम को आगे ले जाते हुए कांग्रेस की सरकार बनानी है। यह पूछे जाने पर कि वह चुनाव प्रचार कब शुरू करेंगी तो सैलजा ने कहा कि अगले दो–तीन दिनों में चुनाव प्रचार शुरू करूंगी।

नये फोन की पार्टी नहीं देने पर दोस्तों ने ही ले ली अपने दोस्त की जान!

नई दिल्ली। शकरपुर इलाके में सोमवार शाम को एक 16 वर्षीय लड़के की उसके तीन दोस्तों ने कथित तौर पर चाकू घोंपकर हत्या कर दी, क्योंकि उसने उन्हें अपना नया स्मार्टफोन देने से मना किया और कहा कि नये फोन की पार्टी भी नहीं देगा।

डीसीपी ईस्ट अपूर्व गुप्ता ने बताया, 23 सितंबर को शाम करीब 7.15 बजे इलाके में गश्त कर रहे पुलिस कर्मचारियों ने रामजी समोसा की दुकान के पास सड़क पर खून देखा। स्थानीय लोगों ने उन्हें बताया कि लड़कों के एक समूह ने एक लड़के को चाकू घोंप दिया है, जिसे अस्पताल ले जाया गया।

नगर विकास मंत्री पहुंचे मऊनाथ भंजन, लगाई झाड़ू

मंत्री ने जनसमुदाय को स्वच्छता की शपथ दिलाई, हर हफ्ते दो घंटे सफाई के लिए श्रमदान का लिया संकल्प

लखनऊ(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने रविवार को मऊ नगर पालिका परिषद के मिर्जा हरदीपुरा वार्ड 44 के मऊनाथ भंजन में स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा के तहत् आयोजित सफाई कार्यक्रम में शामिल हुए। मंत्री ने स्वयं झाड़ू हाथ में लेकर वहां के चौराहे की सफाई की और साफ किए गए कूड़े कचरे को अपने हाथों से उठाकर डस्टबिन में डाला। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित जनसमुदाय को स्वच्छता की शपथ दिलाई और हर हफ्ते दो घंटे साफ सफाई के लिए श्रमदान करने का संकल्प दिलाया तथा लोगों को स्वच्छता के लिए प्रेरित किया। इस दौरान सभी सफाई कर्मी और नगरपालिका के गणमान्य नागरिकों ने मंत्री के साथ स्वच्छता कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। नगर विकास मंत्री एके शर्मा ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन के तहत माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जन्मदिवस 02 अक्टूबर तक श्स्वभाव स्वच्छता, संकल्प स्वच्छताश थीम पर साफ सफाई के लिए स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा पूरे देश में चलाया जा रहा है। नगर विकास विभाग इस अभियान को प्रदेश की सभी निकायों में स्वच्छता के साथ गरीबों की सेवा के रूप में चला रहा है, जिसमें सफाई कर्मी से लेकर विभाग के प्रमुख सचिव तक दिनरात परिश्रम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि निकाय कार्मिकों और अधिकारियों को स्वच्छता अभियान में कहीं पर भी ढिलाई न बरतने के सख्त निर्देश दिए गए है। प्रदेश के नगरों को वैश्विक नगरों की श्रेणी में लाने के लिए सभी का सहयोग आवश्यक है। नगर पालिका परिषद मऊ का यह स्थान मेरे बचपन से भी जुड़ा रहा है, इसी चौराहे से होकर साइकिल से अपने गांव जाता था,

यहां पर कुछ देर रुक कर घरेलू सामान, सब्जी आदि खरीदने थे। उन्होंने कहा कि कोई भी अकेला व्यक्ति निरंतर साफ सफाई और स्वच्छता जैसे कार्य को नहीं कर सकता बल्कि सबको मिलकर इस कार्य को करना होगा और अपने घरों व दुकानों के साथ आसपास के क्षेत्र को भी साफ सुथरा बनाना होगा। अपने घरों व दुकानों के गीला और सूखा कचरा अलग–अलग कर कूड़ा गाड़ी को दें न कि सड़कों, गलियों, चौराहों, नाले व नालियों में फेंके। उन्होंने कहा कि सफाई स्वच्छता के कार्यों में सहयोग देने से हम सभी पर्यावरण को भी प्रदूषित होने से बचा सकते हैं, अपने आप पास स्वच्छता होने से सभी के लिए स्वच्छ वातावरण मिलेगा, सभी बीमारियों से बचेंगे, नाले नालिया चोक नहीं होगी, जलभराव की समस्या नहीं होगी। सभी को संचारी रोगों, मच्छर मक्खी जनित बीमारियों से निजात मिलेगी। जल निकासी के लिए नाले नालियों में हो रहे अतिक्रमण को भी रोकना होगा। श्री शर्मा ने कहा कि प्रदेश की निकायों में पार्कों,उद्यानों,चौराहों, प्रमुख स्थानों, धार्मिक स्थलों, नदी घाटों, ऐतिहासिक स्थलों, मुख्य मार्गो, द्वारों आदि का सुंदरीकरण कराया जा रहा है। मऊ नगरपालिका परिषद में भी 100 से 200 करोड रुपए का निर्माण कार्य कराया जा चुका है। मऊ महादेवा की सफाई सुंदरीकरण का कार्य कराया गया।उन्होंने कहा कि विदेशों में गंदगी फैलाने पर सख्त जुर्माना का प्रावधान है, वहां के नगर साफ सुथरा और हमेशा स्वच्छ रहते हैं। मऊ से ही बहुत से मुस्लिम और हिंदू भाई खड़ी के देशों आबूधाबी, शरजाह, दुबई आदि में जाते होंगे और वहां की सफाई व्यवस्था आदि से परिचित ही होंगे, लेकिन हमारे देश में लोकतांत्रिक व्यवस्था होने से कानून के डंडे से नहीं बल्कि समझाने बुझाने का प्रयास कर कार्य कराया जाता है। उन्होंने सभी दुकानदारों से अपने दुकान के सामने डस्टविन जरूर रखने को कहा, जिससे दोना पत्तल, कूड़ा कचरा इधर–उधर न फैले।श्री शर्मा ने कहा कि कहावत है कि ष्क्लींलिन्स इज नेक्स्ट गाड़लिन्सष् अर्थात् सफाई स्वच्छता ईश्वर का वरदान है, ईश्वर को स्वच्छता सबसे ज्यादा पसंद है। तरक्की के सभी रास्ते स्वच्छता से होकर ही जाते हैं। उन्होंने आह्वान किया कि सभी लोग मिलकर मऊ को इतना व्यवस्थित, साफ और स्वच्छ बनाएं की पूरी दुनिया में मऊ का नाम रोशन हो। मऊ की ऐतिहासिक धरोहरों, सड़कों, गलियों, चौराहों, स्कूलों, अस्पतालों, धार्मिक स्थलों के आसपास की स्वच्छता और व्यवस्थापन हेतु सभी दिल से आगे आकर कार्य करेंगे, तो निश्चित रूप से एक दिन मऊ की तरक्की होगी। मऊ के वृद्धा आश्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वाधान में आयोजित विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर संगोष्ठी में प्रतिभाग कर वृद्धजनों का कुशलक्षेम और स्वास्थ्य का हाल–चाल जाना और वहां पर वृद्धजनों से मिलकर उनका आशीर्वाद भी लिया। उन्होंने वृद्धजनों को फल और मिष्ठान भी वितरित किया।

मंत्री ने मऊ की मोहम्मदाबाद–गोहना राजमार्ग के निर्माण कार्य का भी निरीक्षण किया। इस राजमार्ग का चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण का कार्य कुछ दिन पहले मंत्री के प्रयासों से शुरू किया गया था, जो कि अब पूरा हो चुका है।कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष, सफाई कर्मी, नगर पालिका के अधिकारी, पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता और नागरिक उपस्थित थे।

पक्की सड़क और पक्की नाली के निर्माण की मांग के साथ पार्षद से मिले क्षेत्र प्रतिनिधि

लखनऊ(संवाददाता)। रेवरी अनौरा एक ऐसा क्षेत्र है जो अपने आप में अनेक समस्याएं समेटे हुए हैं जहां के लोगों का पैदल चलना भी दूभर हैं सड़के नहीं है जो है वह पानी से भरी हुई है ऊपर से जल निगम ने उन रास्तों को खोद कर और गड्ढे बना दिए यहां के लोग अपनी परेशानी कई बार अनेक माध्यमों से कर चुके हैं परंतु वही ढाक के तीन पात। पुनः अपनी समस्याओं को लेकर रेवरी,अनोरा के निवासियों का एक प्रतिनिधिमंडल लक्ष्मीकांत तिवारी प्रबंधक श्री गोविंद यस यस इंटर कॉलेज के नेतृत्व में पार्षद श्रीमती गीता देवी गुप्ता से भेंट कर अपने यहां की समस्याओं से अवगत कराया साथ ही पक्का मार्ग और नाली निर्माण की मांग की ।ज्ञात हो कि यह क्षेत्र अनौराके सबसे अविकसित क्षेत्र में आता है यहां पर ना तो पक्के मार्ग हैं ना ही पक्की नालियां हैं। बरसात के समय यहां की दिक्कतें बहुत बढ़ जाती हैं वाहन तो दूर की बात है पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है उस पर भी जल निगम द्वारा डाले गए पानी के पाइप से रास्ते में बड़े–बड़े गड्ढे हो गए हैं। प्रतिनिधिमंडल ने इन सभी समस्याओं की ओर पार्षद का ध्यान अवगत कराया और निवेदन किया कि शीघ्र से शीघ्र समस्या को दूर किया जाए पार्षद ने अगली बरसात से पहले पक्की सड़क और नाली का निर्माण करवाने हेतु पूरा प्रयास करने का आश्वासन दिया प्रतिनिधिमंडल को क्षेत्र मंत्री संजय गुप्ता ने भी संबोधित किया और हर तरह से सहयोग करने का वचन दिया प्रतिनिधिमंडल में गुजराती न्यूज सर्विस के उत्तर प्रदेश प्रमुख एवं राज्य मुख्यालय मान्यता प्राप्त पत्रकार अर्जुन द्विवेदी क्षेत्रीय पत्रकार शैलेंद्र कुमार प्रजापति मगन लाल यादव मेवा लाल वर्मा रविंद्र प्रसाद सुमित यादव अमित यादव रामनारायण यादव शुभम यादव जनहित व्यापार मंडल के क्षेत्रीय अध्यक्ष नागेंद्र सिंह यादव सोमेश यादव सुमेर सिंह,एडिशन मेसी,लालता प्रसाद गौतम, दयाराम यादव फौजी, संगम राय, पंकज, सुखबीर यादव, सचिन विश्वकर्मा,संदीप यादव, संदीप झा, चंद्रभान मौर्य आदि समेत बहुत सारे लोग उपस्थित रहे।

महंगाई : इस्तेमाल का तौर-तरीका बदला, मखाना हो गया 1400 के पार, अब स्नैक्स में प्रयोग से बढ़ी मांग

पहले सिर्फ फलाहार में इस्तेमाल होता था। अब यह लगभग हर मध्यवर्गीय परिवार में नाश्ते का अहम हिस्सा होने लगा है। चिप्स और नमकीन बनाने वाली कंपनियां तक मखाने का इस्तेमाल कर पैकेटबंद स्नैक्स बना रही हैं। खाड़ी देशों में भी मखाने का निर्यात बढ़ा है। अब लोग इसका पाउडर बनाकर प्रोटीन शेक पी रहे हैं।सेहत और स्वाद का खजाना मखाना बीते चार साल से लगातार महंगा होता जा रहा है। पिछले तीन महीने में इसके दाम 400 रुपये बढ़े हैं। अब फुटकर बाजार में मखाना 1400 रुपये किलो के पार हो गया है। पैकेट बंद मखाने की कीमत 1800 रुपये तक जा पहुंची है। आगे सहालग और नवरात्र में इसके दाम और चढ़ने के आसार जताए जा रहे हैं।किराना व्यापार मंडल के महामंत्री प्रशांत गर्ग का कहना है कि एक तो मखाने के इस्तेमाल का पैटर्न बदला है। पहले सिर्फ फलाहार में इस्तेमाल होता था। अब यह लगभग हर मध्यवर्गीय परिवार में नाश्ते का अहम हिस्सा होने लगा है। चिप्स और नमकीन बनाने वाली कंपनियां तक मखाने का इस्तेमाल कर पैकेटबंद स्नैक्स बना रही हैं। खाड़ी देशों में भी मखाने का निर्यात बढ़ा है। अब लोग इसका पाउडर बनाकर प्रोटीन शेक पी रहे हैं।खपत बढ़ी, उत्पादन सीमितलगातार बढ़ती कीमतों पर व्यापारियों का कहना है कि पिछले कुछ वर्षों में मखाने की खपत तेजी से बढ़ी है, जबकि पैदावार बढ़ने के बजाय स्थिर है या घटी है। मखाने की पैदावार सिर्फ बिहार में होती है। यह सीमित है। पिछले साल मौसम खराब रहने की वजह से उत्पादन आधा हुआ, जबकि खपत में कोई कमी नहीं आई है। चार साल में दोगुना हुई कीमत

हजरतगंज की बड़ी दुकानों व शॉपिंग मॉल में पैकेट बंद मखाना 1800 रुपये प्रति किलो है। लखनऊ के सुभाष मार्ग स्थित थोक बाजार में मखाने की कीमत 1200 रुपये प्रति किलो है। यही मखाना फुटकर बाजार में क्वालिटी के मुताबिक 1400–1500 रुपये प्रति किग्रा बिक रहा है। वर्ष 2020 में फुटकर बाजार में मखाना 700–800 रुपये प्रति किलो था।

पिछले साल सबसे ज्यादा बढ़े दाम

मखाने की कीमत सबसे ज्यादा पिछले साल बढ़ी। 900 रुपये किलो वाला मखाना 1200 रुपये तक पहुंच गया था। इस साल जुलाई में रेट टूटा तो 1000 रुपये किलो पर आ गया। ढाई महीने में ही फिर से 1400 रुपये तक का रेट हो गया है। इससे पहले वर्ष 2021–22 में मखाना 900 रुपये प्रति किलो बिक रहा था।

साल– मखाना (किलो)– खपत (टन)

2020– 800– 12,500
2021– 900– 10,000
2022– 900– 10,000
2023– 1200– 8000
2024– 1400– 8000

(अनुमानित खपत लखनऊ से होने वाली बिक्री की है।)

मनरेगा कन्वर्जेंस से ग्राम पंचायतों में बन रहे आंगनबाड़ी केंद्र

लखनऊ(संवाददाता)। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व व निर्देशन में मनरेगा कन्वर्जेंस से ग्रामीण क्षेत्रों में बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी केन्द्रों का निर्माण किया जा रहा है। ऐसे आंगनबाड़ी केंद्र जो किराये के मकान में चल रहे हैं,मनरेगा योजना के अंतर्गत बाल विकास विभाग व पंचायती राज विभाग के अभिसरण से आंगनबाड़ी केंद्रों का निर्माण कार्य किया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने निर्देश दिए हैं कि ग्रामीण क्षेत्रों में आंगनबाड़ी केंद्रों का निर्माण निर्धारित मानकों के अनुरूप किया जाय व गुणवत्ता के साथ किसी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए।ग्राम्य विकास विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार मनरेगा योजनांतर्गत मनरेगा, बाल विकास विभाग, पंचायती राज विभाग के अभिसरण बीते वित्तीय वर्ष 2023–24 में 1984 आंगनबाड़ी केंद्रों का निर्माण कार्य पूर्ण किया गया। वर्तमान वित्तीय वर्ष 2024–25 में भी ग्राम पंचायतों में निरंतर आंगनबाड़ी केंद्रों का निर्माण कार्य कराया जा रहा है, इस वर्ष अब तक 626 आंगनबाड़ी केंद्रों का निर्माण कार्य पूर्ण किया जा चुका है, जबकि 8,237 कार्य निर्माणाधीन हैं। इन आंगनबाड़ी केन्द्रों में बच्चों के खेलने आदि की व्यवस्था भी की गई है। ध्यान रखा गया है कि कोई भी आंगनबाड़ी केन्द्र नेशनल हाईवे के बगल में न।बने। आयुक्त ग्राम्य विकास विभाग जी एस प्रियदर्शी ने बताया कि मनरेगा कन्वर्जेंस से बीते 5 सालों में 12 हजार से ज्यादा आंगनबाड़ी केंद्रो का निर्माण किया जा चुका है।

दीपावली पर दिल्ली व मुंबई से लखनऊ आने में छूटेगा पसीना, ट्रेनों की वेटिंग लिस्ट लंबी हुई

लखनऊ(संवाददाता)। 29 अक्तूबर से दीपावली का पर्व शुरू हो जाएगा। इसे लेकर ट्रेनों की वेटिंग लिस्ट बढ़ती जा रही है। वहीं, विमानों का किराया भी कई गुना बढ़ गया है।दीपावली पर मुंबई व दिल्ली से लखनऊ आने वालों के लिए ट्रेनों में कन्फर्म सीटों की मारामारी शुरू हो गई है। मुंबई से आने वाली ट्रेनों की वेटिंग 139 तक पहुंच गई है, जबकि दिल्ली की गाड़ियों में 84 पार पहुंची है। आशंका जताई जा रही है कि यह वेटिंग क्रमशः 350 व 220 तक पहुंचेगी। वहीं, विमानों का किराया भी आसमान छूने लगा है।29 अक्तूबर से दीपावली का पर्व शुरू हो जाएगा। मुंबई से लखनऊ आने वाली ट्रेनों में पुष्पक एक्सप्रेस की स्लीपर में 26, 27, 28 अक्तूबर को 109, 110 वेटिंग, रिग्रेट व थर्ड एसी में रिग्रेट, 139, 139 वेटिंग चल रही है। एलटीटी गोरखपुर एक्सप्रेस से लखनऊ आने वालों के लिए स्लीपर में 67, 72, 75 वेटिंग व थर्ड एसी में रिग्रेट है। कुशीनगर एक्सप्रेस की स्लीपर में क्रमशः 75, 75, रिग्रेट एवं थर्ड एसी में सीट ही नहीं हैं। अवध एक्सप्रेस की स्लीपर में 125, 122, 139 व थर्ड एसी में 50, 52, 49 वेटिंग चल रही है।दिल्ली से लखनऊ आने वाली लखनऊ मेल की स्लीपर में उपरोक्त तारीखों पर क्रमशः 67, 57, 68 व थर्ड एसी में 61, 36, 41 वेटिंग है। काशी विश्वनाथ एक्सप्रेस की स्लीपर में 57, 57, 62 व थर्ड एसी में 45, 43, 29 वेटिंग है। गोमती एक्सप्रेस की चेयरकार में 41, 32, 28 व सेकेंड एसी में 15, 11, 12 वेटिंग है। वहीं, वैशाली, कैफियत, गोरखधाम, अयोध्या दिल्ली, पद्मावत आदि में भी वेटिंग बढ़ रही है। हालांकि, महंगी वंदे भारत, तेजस एक्सप्रेस व शताब्दी एक्सप्रेस की चेयरकार में 300 तक सीटें अभी रिक्त हैं।

तीन गुना तक पहुंचा विमान का किराया

दिल्ली से लखनऊ आने के लिए विमानों में सीट बुक कराने पर भी खासी जेबें ढीली करनी पड़ेंगी

। दिल्ली से लखनऊ आने वाली इंडिगो की सुबह साढ़े सात बजे की फ्लाइट का किराया 9881 रुपये तक पहुंच गया है। वहीं, विस्तारा का किराया 8238 रुपये व एयर इंडिया का 5025 रुपये है।

आम दिनों में यह तीन से चार हजार रुपये के बीच में होता है। इसी क्रम में मुंबई से लखनऊ आने वाली इंडिगो की फ्लाइट का किराया 10,229 रुपये, एयर इंडिया का 19,069 रुपये तथा विस्तारा का 19,800 रुपये तक पहुंच गया है।

तत्काल की 4500 सीटों से बंधी उम्मीद

दिल्ली व मुंबई से लखनऊ आने वाली ट्रेनों में तत्काल कोटे की 4500 सीटें हैं। ट्रेनों में वेटिंग होने पर यात्रियों को इन सीटों से राहत मिलने की उम्मीद है। हालांकि, यात्रा से एक दिन पूर्व ही इन सीटों पर टिकटों की बुकिंग कराई जा सकेगी।

रेलवे अधिकारियों का कहना है कि दिल्ली, मुंबई से रिजर्वेशन करवाकर आने वालों की संख्या तीन दिन के अंदर पौने तीन लाख के आसपास होने की उम्मीद है।

उत्तर प्रदेश की खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति की सराहना

लखनऊ(संवाददाता)।केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय द्वारा भारत मण्डपम्पम प्रगति मैदान नयी दिल्ली में चल रहे वर्ल्ड फूड इंडिया एक्सपो में उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद के निर्देशों के क्रम में उत्तर प्रदेश के उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा अनुदानित इकाइयों के लगाये गये स्टालों पर आज भी भीड़ बनी रही। निदेशक उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण उत्तर प्रदेश डा विजय बहादुर द्विवेदी ने बताया कि कार्यक्रम में आज हाल नम्बर 6 में केन्द्रीय मंत्री खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय चिराग पासवान द्वारा अवलोकन किया गया।श्री द्विवेदी ने बताया कि खाद्य प्रसंस्करण विभाग उत्तर प्रदेश के अधिकारियों द्वारा स्टॉल पर उपस्थित रहकर उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति– 2023 ,प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन एवं अन्य योजनाओं में मिलने वाली अनुदान व सुविधाओं को जानकारी सभी आगंतुकों को दी गयी।प्रदेश के विभिन्न जनपदों–गौतमबुद्ध नगर, प्रयागराज, अमरोहा मथुरा चित्रकूट ,गोरखपुर, शाहजहांपुर, लखनऊ ,आजमगढ़ आदि के जनपदो के उद्यमियों द्वारा उद्योग लगाने की इच्छा व्यक्त की गयी, साथ ही दिल्ली ,हरियाणा मध्य प्रदेश पंजाब गुजरात तमिलनाडु के उद्यमियों द्वारा उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति–23 के अन्तर्गत दी जा रही सुविधाओं की जानकारी हासिल की और नीति की सराहना की।

रिक्तपदों पर भर्ती के लिए फिर बढ़ी सक्रियता

लखनऊ(संवाददाता)। प्रदेश के लगभग हर विभाग में स्वीकृति के सापेक्ष भारी संख्या में पद रिक्त है। प्रदेश के मुख्यमंत्री कई बार रिक्त पदों पर जरूरत के हिसाब से शीघ्र भर्ती के निर्देश दे चुके है। भर्ती प्रस्तावों की खामियां विभागों को अब 15 दिनों में दूर करते हुए उसे पुनः संबंधित आयोगों को भेजना होगा। प्रमुख सचिव नियुक्ति एवं कार्मिक एम. देवराज ने इस संबंध में सभी विभागाध्यक्षों को निर्देश भेज दिया है। इसमें कहा गया है कि सभी विभागों के समूह क, ख व ग के पदों पर भर्ती के लिए आयोगों को प्रस्ताव ई–अधियाचन पोर्टल के माध्यम से भेजने की व्यवस्था की गई है। सभी विभागाध्यक्ष इसका कड़ाई से पालन करेंगे और खामियां तय समय में दूर करेंगे, जिससे रिक्त पदों को जल्द भरा जा सके। विभागों को भेजे गए निर्देश में कहा गया है कि ई–अधियाचन पोर्टल पर निर्धारित प्रारूप पर भर्ती संबंधी प्रस्ताव भेजा जाएगा। यह ध्यान रखा जाए कि पोर्टल पर पहले भेजे गए प्रस्तावों को दोबारा न भेजा जाए।

मंत्री के समक्ष रख दी आंकड़ो सहित समस्याएं पंचायती राज मंत्री ने दिया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश ग्राम पंचायत राज सफाई कर्मचारी संघ के प्रतिनिधि मण्डल ने प्रदेश अध्यक्ष नरेन्द्र पाल सिंह के नेतृत्व ओमप्रकाश राजभर, (कैबिनेट मंत्री) पंचायती राज विभाग, अल्पसंख्यक कल्याण मुस्लिम वक्फ एवं हज विभाग, लखनऊ प्रदेश के एक लाख से अधिक ग्राम पंचायत सफाई की समस्याओं से स्वच्छता पखवाड़ा के बीच अवगत कराकर उनके समाधान का आग्रह किया। इस दौरान व्यक्तिगत से प्रतिनिधि मण्डल ने सफाई कार्मिकों के उपकरण अभाव और वर्दी पर जोर दिया। संघ द्वारा 108848 ग्राम पंचायत सफाई कर्मचारियों की सफाई उपकरण, वर्दी, सेवा नियमावली तथा पदोन्नति जैसी मांगों का ज्ञापन प्रदेश अध्यक्ष नरेन्द्र पाल सिंह के नेतृत्व में सौपा गया। इस दौरान बनवारी लाल गौतम, प्रदेश कोषाध्यक्ष, नरेन्द्र कुमार गौतम, उप प्रदेश महामंत्री, प्रवेश कुमार सागर, प्रदेश कार्यकारणी अध्यक्ष तथा तेजपाल सिंह सागर, जिलाध्यक्ष, बरेली, शिवनन्दन श्रीवास्तव, जनपद महामंत्री, बरेली, वी०पी० सिंह, कैलाश बाबू, प्रेम नारायण, सुखपाल सिंह पटेल, रामसेवक ठाकुर, राम बहादुर, कौशल किशोर, विजय सिंह, बृजपाल, संजीव कुमार आदि पदाधिकारी उपस्थित रहे। कैबिनेट मंत्री से प्रतिनिधि मण्डल ने बताया कि स्वच्छता पखवाड़ा शासन द्वारा पूरे उत्तर प्रदेश में चलाया जा रहा है जबकि जनपदों में ग्राम पंचायत सफाई कर्मचारियों को उपकरण के अभाव में सफाई कार्य में कठिनाई उत्पन्न हो रही हैं। वर्दी भी सफाई कर्मचारियों को मिलना चाहिए। बरेली में निरीक्षण के उपरान्त स्थान सर्किट हाउस, बरेली में कैबिनेट मंत्री श्री राजभर को अवगत कराया गया कि प्रत्येक राजस्व ग्राम में 108848 सफाई कर्मियों के पद मार्च 2008 में सृजित किये गये थे तभी से ये अल्पवेतन भोगी कर्मचारी नाना प्रकार के जोखिम उठाते हुए लोक हित में अपने दायित्वों का निर्वहन करते आ रहे है। लगभग 15 वर्ष का सेवाकाल में पंचायती राज सफाई कार्मिको से भेदभाव पूर्ण व्यवहार से इन लगनशील कठोर श्रमिकों का मनोबल कुंठित एवं संवेदनशील बना हुआ है। जिसका प्रभाव इनकी कार्यक्षमता पर पड़ना स्वभाविक है। उपकरण सम्बंधी शासनादेश होने के बावजूद शासनादेश का किसी ग्राम पंचायत में अनुपालन नही हो रहा है। उपरोक्त के अतिरिक्त यदि किसी अन्य सामग्री की आवश्यकता प्रतीत होती है तो ग्राम पंचायत द्वारा आवश्यकतानुसार क्रय की जा सकेगी। उपरोक्त उपकरणों एवं सामग्री की व्यवस्था तथा संभव ग्राम पंचायत की आय के स्रोत से अथवा ग्राम पंचायतों के केन्द्रीयराज्य वित्त आयोग की संक्रमित धनराशि से सुनिश्चित की जायेगी। यही नही पंचायत राज विभाग ा शासनादेश संख्या–1672ध्33–1–2009, 09 जून, 2009 के आदेश में संशोधन करने की अति आवश्यकता है जिससे कि अन्य उपकरण दस्ताने,जूते, मास्क, वर्दी सर्दी एवं गर्मी हेतु, फर्स्टएड बॉक्स उपरोक्त शासनादेश के अधीन ग्राम पंचायत में तैनात सफाई कर्मचारियों को उपलब्ध ा कराये जायें।

सम्पादकीय

सुपरपावर साबित होगा चन्द्रयान चार

बुनियादी जरूरतों की बॉत को किनारे कर दिया जाए तो यह कहा जा सकता है कि जमीन से लेकर आसमान तक भारत का कद लगातार बढ़ रहा है। हालाकि जिन क्षेत्रों में भारत का दबदबा वैश्विक स्तर पर बढ़ रहा है उसमें एक क्षेत्र सेना तो दूसरा क्षेत्र वैज्ञानिको जुड़ा है। इससे स्पष्ट है कि इन दोनों ही क्षेत्र में ताकतवर राजनीति और नौकरशाही की दखलदांजी न के बराबर है। गत दिवस भारतीय नौ सेना में स्वदेशी आईएनएस विक्रांत शामिल कर लिया गया है। अब भारतीय नौ सेना के पास पश्चिमी मोर्च पर दो विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत और आईएनएस विक्रमादित्य शामिल हो गए है। इसके बाद भारत की अरब सागर समुद्री शक्ति में बढ़ोत्तरी होगी। इसके अलावा केन्द्रीय मंत्रिमण्डल ने चंद्रयान चार मिशन को मंजूरी दे दी है। इस मिशन के तहत चन्द्रयान को चॉद की सतह पर उतरा जाएगा। चंद्रयान चार के लिए 2,104 करोड़ रूपये मंजूर किए गए है। इसे 2040 तक लॉच करने का लक्ष्य निधारित है। ज्ञातहो कि 2008 में चन्द्रयान एक लॉच किया गया था जिसने चॉद की परिक्रमा करते हुए अनेक आकड़े एकत्र किए थे। 2019 में चन्द्रयान दो लॉच हुए लेकिन असफल रहा। वर्ष 2023 में चन्द्रयान तीन लॉच हो गया यह सफल रहा। भारत ने पिछले कुछ वर्षो में जल,वायु थल सेना के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धियॉ दर्ज कराई है। लेकिन आतंरिक्ष में उसकी उपलब्धि बेशकीमती है। अगर आतंरिक्ष में भारतीय वैज्ञानिकों की सोच के मुताबिक सबकुछ सच हुआ तो चॉद में आम इंसान का बसना अलौकिक होगा। यही नही दक्षिणी धुव की चट्टानों में लोहे के अलावा मैग्नीशियम, कैल्शियम और हीलियम–3 जैसा बहुमूल्य खनिज मिलने की आशा ने भारत को आतंरिक्ष में सुपरपावर बनाने की ओर अग्रसर किया है। भारत सरकार का एक आकलन है कि अगले कुछ वर्षों में देश अंतरिक्ष क्षेत्र में एक ट्रिलियन (एक लाख करोड़) डालर की अर्थव्यवस्था बन जाएगा। इस क्षेत्र के ज्यादातर विशेषज्ञों का मानना है कि चंद्रयान–3 की अभूतपूर्व सफलता के बाद भारत के लिए ऐसा करना मुश्किल नहीं है। भारत में जगते इस भरोसे की नींव असल में पिछले वर्ष 23 अगस्त, 2023 को रखी गई थी। उस दिन भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के मून मिशन की कड़ी में चंद्रयान–3 चंद्रमा के उस दक्षिणी ध्रुव पर उतरा था, जो इससे पहले अछूता रहा था। इस सफलता में एक और अहम चीज जुड़ी थी कि चंद्रयान–3 ने चांद पर साफ्ट लैंडिंग की थी, जो इससे पहले सिर्फ तीन देशों (रूस, अमेरिका और चीन) के खाते में दर्ज है। इस अहम पड़ाव पर पहुंचने के महत्त्व को दर्शाने के लिए इस वर्ष भारत ने प्रथम राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस का आयोजन किया गया था। अब इसरो का ध्यान चंद्रयान–4 और चंद्रयान–5 के प्रक्षेपण पर है। इसे इस रूप में भी देखा जाना चाहिए कि चंद्रयान, मंगलयान और भावी गगनयान जैसी परियोजनाएं देश को आर्थिक महाशक्ति के रूप में स्थापित करेंगी। इस क्षेत्र में मिलने वाली हर कामयाबी देश की युवा पीढ़ी को अंतरिक्ष अनुसंधान के प्रति प्रोत्साहित करेगी और वे इसे एक सम्मानजनक पेशे के तौर पर अपनाने के लिए प्रेरित होंगे। मगर, मामला सिर्फ यहीं तक सीमित नहीं है। चंद्रयान की सफलता भारत को लूनर जियोपालिटिक्स (चंद्र भू–राजनीतिक) परिदृश्य के एक बड़े खिलाड़ी के रूप में स्थापित कर रही है। भारत बेहद सस्ती दरों पर राकेट और अंतरिक्ष यानों के प्रक्षेपण के बाजार में खुद को एक बड़े खिलाड़ी के रूप में पेश कर रहा है। वह अंतरिक्ष में खनन की उन संभावनाओं को साकार करने की दिशा में बढ़ सकता है, जहां पृथ्वी पर कम पड़ते संसाधनों की भरपाई के लिए वह चंद्रमा और क्षुद्रग्रहों से खनिजों की ढुलाई कर भारी मुद्रा अर्जित कर सकता है।

मानवता के इतिहास में यह पहली बार है कि भारत और चीन जैसे देश चंद्रमा के जटिल हिस्से में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। इसरो के अनुसार चांद का दक्षिणी ध्रुव कई मायनों में भावी चंद्रमिशनों के द्वार खोलने वाला साबित होगा। इसकी कई वजहें हैं। पहली तो यह कि हमेशा छाया में रहने वाले इस हिस्से के बेहद ठंडे क्रेटर्स (गड्ढों) में जमी हुई बर्फ के भंडार हो सकते हैं, जो पानी के बड़े स्रोत होंगे। यहां जीवाश्मों का खजाना मिल सकता है। यहां हीलियम–3 जैसा बहुमूल्य खनिज मिलने की भी उम्मीद जताई जा रही है। एक टन हीलियम की मौजूदा कीमत करीब पांच अरब डालर हो सकती है और अंदाजा है कि चंद्रमा से ढाई लाख टन हीलियम–3 पृथ्वी तक ढोकर लाया जा सकता है। यह ऐसी अकूत संपदा होगी, जिसकी कीमत कई लाख करोड़ डालर मानी जा रही है।

सिक्खों की सहानुभूति बटोरने में नाकाम रहे राहुल गांधी

योगेंद्र योगी

लगातार तीन बार लोकसभा चुनावों में हार के बावजूद कांग्रेस का अल्पसंख्यकों के प्रति मोह कम नहीं हुआ है। कांग्रेस ने लोकसभा सहित चार राज्यों के विधानसभा चुनावों में तीन में करारी शिकस्त खाने के बावजूद कोई सबक नहीं सीखा है। कांग्रेस बयानों के जरिए यह साबित करने पर तुली हुई कि वह सही मायने अल्पसंख्यकों की खैरख्वाह है। ऐसी राजनीति की कीमत कांग्रेस को चुकानी पड़ी है। दो दशक पहले तक दबे–छिपे तरीके से हिन्दुओं की बात करने वाली भाजपा खुल कर सामने आ गई। इससे देश में हिन्दू–मुस्लिम मतदाताओं का स्पष्ट ध्रुवीकरण नजर आता है। अल्पसंख्यकों की हितैषी साबित करने के लिए कांगेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने अमरीका में सिक्खों की भारत में सुरक्षा को लेकर बयान देकर संगठन को मुश्किल में डाल दिया। पहले मुसलमानों और अब सिक्खों को लेकर दिए गए बयान से कांग्रेस भाजपा के निशाने पर आ गई। राहुल गांधी के बयान से खालिस्तान की मांग करने वाले पृथक्तावादी संगठन के प्रमुख गुरुपंत सिंह पन्नू को जहर उगलने का मौका मिल गया। राहुल गांधी ने कहा था कि वो अल्पसंख्यकों को उनका हक़ दिलाने और उनको बैखौफ होकर जीने की आजादी दिलाने के लिए लड़ रहे हैं, उनकी लड़ाई इस बात की है कि भारत में सिखों को पगड़ी बांधने में डर न लगे, कड़ा पहनने से कोई न रोके, वे गुरुद्वारों में बेखौफ होकर जा सकें। इसके बाद खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने राहुल गांधी के बयान को बिल्कुल सही बताया। जो बात राहुल गांधी कह रहे हैं, वो बात पन्नू भी मानता है। राहुल और उसकी लाइन एक है। राहुल गांधी की खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने तारीफ कर दी। पन्नू ने एक बयान जारी करके कहा कि राहुल गांधी ने सिखों के बारे में जो कुछ बोला, उसमें खालिस्तान समर्थक संगठन शसिख फॉर जस्टिसश की बात का समर्थन है। बड़ी बात ये है कि राहुल गांधी की बात को उस सिख नौजवान भलिंदर सिंह ने भी गलत बताया जिसका नाम पूछ कर वॉशिंगटन में राहुल ने भारत में सिखों की स्थिति के बारे में गलतबयानी की थी। भलिंदर सिंह विरमानी ने खुद सोशल मीडिया पर अपना वीडियो पोस्ट करते हुए कहा कि राहुल गांधी ने उनका नाम पूछकर सिखों को लेकर जो कमेंट किया, वो पूरी तरह गलत था। भलिंदर सिंह ने कहा कि वो खुद भारतीय हैं, कुछ दिनों के लिए अमेरिका आए हैं, उन्होंने भारत में कभी नहीं देखा कि किसी सिख को पगड़ी पहनने या कड़ा पहनने से रोका गया हो या किसी को गुरुद्वारे जाने में कोई दिक्कत हुई हो। देश में सिक्खों को लेकर प्यू रिसर्च सेंटर

की सर्वे रिपोर्ट 2021 में प्रकाशित हुई थी। प्यू रिसर्च सेंटर ने यह सर्वे 2019 से 2020 के बीच कराया था। इस सर्वे में महज 14 फीसदी सिखों ने ही माना था कि भारत में सिखों के साथ भेदभाव होता है। मगर अधिकतर सिखों का मानना था कि उन्हें भारत में कोई भेदभाव नहीं दिखता। इस रपोर्ट के मुताबिक, करीब 95 फीसदी सिख खुद को भारतीय होने पर बहुत गर्व करते हैं। इतना ही नहीं, बहुमत यानी 70 फीसदी सिखों का मानना है कि जो व्यक्ति भारत का अनादर करता है, वो सिख हो ही नहीं सकता। वॉशिंगटन डीसी में राहुल गांधी ने दुनिया भर में भारत–विरोधी प्रचार करने वाली अमेरिकी सांसद इल्हान उमर से मुलाकात की। इल्हान उमर डेमोक्रेटिक पार्टी की नेता हैं, वो खुले तौर पर पाकिस्तान की हिमायती हैं, हर मंच पर भारत का विरोध करती हैं। राहुल गांधी अमेरिकी सांसदों के जिस प्रतिनिधिमंडल से मिले, उसमें इल्हान उमर को खासतौर पर बुलाया गया था। इल्हान उमर वही हैं, जिन्होंने 2022 में पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में जाकर कहा था कि कश्मीर पर भारत का कोई हक़ नहीं है, भारत को कश्मीर छोडना ही पड़ेगा। जून 2023 में इल्हान उमर अमेरिका की संसद में भारत के खिलाफ एक प्रस्ताव लेकर आई थीं, जिसमें अमेरिकी विदेश मंत्रालय से अपील की गई थी कि वह भारत को एक ऐसा देश घोषित करे जहां पर धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार का हनन होता है, जहां मुसलमान सुरक्षित नहीं है। कांग्रेस के नेताओं के पास इस बात का भी जवाब नहीं है कि राहुल गांधी पाकितान समर्थक इल्हान उमर से क्यों मिले? इल्हान तो हमेशा से भारत के खिलाफ रही हैं। कांग्रेस ने हमेशा पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग माना है। अनुच्छेद 370 पर राहुल गांधी का ढुलमुल रवैया रहा है। राहुल गांधी जम्मू कश्मीर के दौरे पर पार्टी नेताओं का फीडबैक लेने पहुंचे थे, तब भी वे अनुच्छेद 370 के मुद्दे पर साइलेंट मोड में दिखे थे। हालांकि कांग्रेस जिस दल के साथ मिलकर चुनाव लड़ रही उसका इस मुद्दे पर मत कुछ अलग है। नेशनल कॉन्फ्रेंस ने अपने घोषणा पत्र में साफ कर दिया है कि अगर हमारी सरकार बनती है तो अनुच्छेद 370 और 35 ए की बहाली की जाएगी। हालांकि नेशनल कान्फ्रेंस किस आधार पर अनुच्छेद 370 की वापसी की बात कर रही है वो समझ से परे है। क्योंकि यह साधारण सी बात है कि केंद्र में सत्ता मिलने पर ही अनुच्छेद 370 की वापसी संभव हो सकती है। जाहिर सी बात है कि नेशनल कॉन्फ्रेंस को केंद्र में बहुमत नहीं मिलने जा रहा है। धारा ३७० की तरह सीएए पर भी राहुल गांधी का रुख बदलता रहा है। वर्ष 2019 में केंद्र सरकार ने सिटिजनशिप अमेंटमेंट एक्ट लागू किया। कांग्रेस ने दिसंबर 2019 में सीएए के खिलाफ कांग्रेस बहुत बड़ा प्रदर्शन आयोजित किया। जिसमें सोनिया गांधी, पूर्व प्रधान मंत्री मनमोहन सिंह और राहुल गांधी सहित सैकड़ों पार्टी समर्थक राजघाट पर सत्याग्रह पर बैठे थे। लेकिन सीएए लागू होने के बाद चुनावों को देखते हुए कांग्रेस और राहुल गांधी इस मुद्दे पर चुप्पी साध ली थी। लोकसभा चुनावों के दौरान केरल में सीएए एक बहुत बड़ा मुद्दा था। केरल के कम्युनिस्ट पार्टी के मुख्यमंत्री पिनराय विजयन चुनाव अभियान के दौरान लगातार यह साबित करने में लगे रहे कि राहुल गांधी सीएए पर क्यों नहीं बोल रहे हैं। कांग्रेस और राहुल गांधी ने मौके–बेमौके अल्पसंख्यकों को लेकर गहरी चिंता जताई है, किन्तु कांग्रेसशासित राज्यों में अल्पसंख्यकों के भले के लिए क्या अतिरिक्त प्रयास किए गए, इसका खुलासा कभी नहीं किया गया। तीन तलाक के मुद्दे पर कांग्रेस और राहुल गांधी ने केंद्र की भाजपा सरकार का जमकर विरोध किया। जबकि तीन तलाक के मामले में केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद इसे लागू करने का निर्णय लिया था।

गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश के अल्पसंख्यक माफिया और गैंगस्टरों के मामलों में भी कांग्रेस का रवैया सहानुभूतिपूर्ण रहा है। इंडिया गठबंधन के घटक दल समाजवादी पार्टी ने तो खुलकर इन गैंगस्टर्स का खुलकर समर्थन ही नहीं किया बल्कि सत्ता में रहने के दौरान बहुजन समाज पार्टी और सपा ने मंत्री पद तक के ओहदे से नवाजा था। कांग्रेस को यह समझना होगा कि क्षेत्रीय दलों का जनाधार सीमित है, जबकि कांग्रेस प्रमुख विपक्षी दल होने के साथ राष्ट्रीय पार्टी है।

पुण्य तिथि पर याद किये गये बाबू शिवदयाल सिंह चौरसियाः गोष्ठी में सामाजिक, राजनीतिक, शैक्षणिक, आर्थिक योगदान पर विमर्श

संवाददाता–बस्ती। चौरसिया उत्थान समिति द्वारा बुधवार को अटल बिहारी बाजपेई प्रेक्षागृह में बाबू शिवदयाल सिंह चौरसिया एडवोकेट एवं पूर्व राज्यसभा सदस्य के 30 वीं पुण्य तिथि पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

गोष्ठी को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित करते हुये पूर्व राज्यमंत्री कैलाशनाथ चौरसिया ने कहा कि बाबू शिवदयाल सिंह ने चौरसिया समाज को एक जुट करने की दिशा में जो कार्य किया उसे आगे बढाने की जरूरत है। यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। कहा कि बदलते परिवेश में चौरसिया समाज को अपने राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक परिदृश्य के लिये एक जुटता बनाये रखनी होगी।

गोष्ठी को प्रो. लक्ष्मण यादव, विधायक सुरेन्द्र चौरसिया, रामेश्वर चौरसिया के साथ ही चिरंजीव चौरसिया, जनक नन्दनी चौरसिया, हजारीलाल चौरसिया, राकेश चौरसिया, राम करन चौरसिया, राजेन्द्र चौरसिया, दिलीप चौरसिया, शिवदयाल के प्रपोत्र दीपक चौरसिया, कृष्णा चौरसिया, सोनी, चौरसिया, ईशू चौरसिया, विजय चौरसिया आदि ने चौरसिया समाज के इतिहास, उत्थान, सामाजिक चुनौतियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि राजनीतिक भागीदारी और शिक्षा से ही समस्याओं का हल निकलेगा। अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा देने में कोताही न करें। सम्मेलन में चौरसिया समाज के सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक क्षेत्र में योगदान एवं स्थिति तथा राजनीतिक एकजुटता पर विचार विमर्श कर निर्णय लिये गये।

चौरसिया उत्थान समिति के जिलाध्यक्ष संजय चौरसिया ने अतिथियों का स्वागत करते हुये कहा कि गोष्ठी में जो विचार आये हैं उसे जमीनी ध रातल पर उतारने की पहल किया जायेगा। संचालन करते हुये रामजीत चौरसियां ने समाज की समस्याओं और संकल्पों पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम में अतिथियों को स्मृति चिन्ह, अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। चौरसिया उत्थान समिति के जिलाध्यक्ष संजय चौरसिया ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य संरक्षक धर्मेन्द्र चौरसिया, रामकरन चौरसिया, कोर कमेटी सदस्य रामजीत चौरसिया, रामतीर्थ चौरसिया, रामशंकर चौरसिया, अजय चौरसिया, सुखराम चौरसिया, राजेन्द्र चौरसिया, विन्देश्वरी चौरसिया, राजू चौरसिया, राजेन्द्र चौरसिया, नमन चौरसिया के साथ ही ज्ञानी चौरसिया, महेश चौरसिया, प्रमोद चौरसिया, बंशराज, सौरभ, आशीष, आलोक, श्याम, राजू, हीरालाल चौरसिया, राजेश, शिव प्रसाद, राजेन्द्र प्रधान, अरविन्द प्रधान, सुनील प्रधान, जितेन्द्र, प्रवीन, शकुन्तला चौरसिया, अच्छेलाल चौरसिया, पंकज चौरसिया, मिथलेश चौरसिया, मंजू चौरसिया, रानी, रश्मि, शिखा, संध्या चौरसिया के साथ ही बस्ती, सिद्धार्थनगर, संतकबीर नगर, महराजगंज, देवरिया, फैजाबाद, बाराबंकी एवं बिहार राज्य के अनेक क्षेत्रों से चौरसिया उत्थान समिति के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और चौरसिया समाज के लोगों ने हिस्सा लिया।

120 मेधावी छात्र–छात्राओं को मेडल, प्रमाण–पत्र देकर बढाया हौसला

संवाददाता–बस्ती। अखिल भारतीय प्रजापति कुम्भकार महासंघ द्वारा जिलाध्यक्ष दिनेश कुमार प्रजापति के संयोजन में बड़े वन स्थित एक मैरेजहाल में प्रतिभावान छात्र–छात्राओं के सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि पूर्व उपायुक्त परिवहन चुन्नी लाल प्रजापति, विशिष्ट अतिथि पूर्व जिला विद्यालय निरीक्षक राम मूरत प्रजापति, डाक अधीक्षक पुरूषोत्तमनाथ प्रजापति, खण्ड विकास अधिकारी संजय कुमार प्रजापति आदि ने कहा कि शिक्षा की वह मूल आधार है जिससे प्रजापति समाज की समस्याओं का हल निकलेगा। कहा कि अपने पाल्यों को शिक्षित अवश्य करें जिससे वे देश के सुयोग्य नागरिक बने। अतिथियों ने विभिन्न विद्यालयों, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों से चयनित 120 मेधावी छात्र–छात्राओं को मेडल और प्रमाण–पत्र देकर उनका उत्साहवर्धन किया। विशिष्ट अतिथि सुरेन्द्र कुमार प्रजापति, अविनाश प्रताप प्रजापति, बलिहारी प्रजापति, धर्मेन्द्र कुमार प्रजापति, राजकुमार प्रजापति, जय प्रकाश प्रजापति, राम प्रसाद, ओम प्रकाश प्रजापति, राजेन्द्र प्रसाद चक्रधारी, राम सागर प्रजापति, सुरेन्द्र कुमार प्रजापति, करूणा निधान प्रजापति, शिवशंकर प्रजापति, दीनदयाल प्रजापति आदि ने प्रजापति समाज के राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक मोर्चो पर विस्तार से प्रकाश डाला। कहा कि प्रजापति समाज के सबल लोग यदि जरूरतमंदों की मदद की दिशा में पहल करें तो समाज की नई पीढी को ताकत मिलेगा। इस अवसर पर वरिष्ठ नागरिक चन्द्रभान प्रजापति, नरसिंह प्रजापति, संतराम प्रजापति, देवदत्त प्रजापति, राम औतार प्रजापति आदि ने छात्रों का आवाहन किया कि जीवन में कितनी भी मुश्किलें आयें शिक्षा जारी रखें। संचालन हरिकेश प्रजापति और डा.कृष्ण कुमार प्रजापति ने संयुक्त रूप से किया।

कार्यक्रम मुख्य रूप से उपाध यक्ष राम मिलन प्रजापति, महेन्द्रनाथ प्रजापति, अमित प्रकाश प्रजापति, भगवानदीन प्रजापति, नेबूलाल प्रजापति, राम मूरत प्रजापति, कृष्ण कुमार प्रजापति, राजेश कुमार प्रजापति, जवाहरलाल प्रजापति, सन्तोष प्रजापति, धर्मेन्द्र प्रजापति, मृत्युंजय कुमार प्रजापति, दिनेश कुमार, राम सूरत प्रजापति, छविलाल प्रजापति, राममूरत, सुरेन्द्र कुमार, आशुतोष प्रजापति, परशुराम प्रजापति, सुजीत कुमार प्रजापति, रामसागर प्रजापति, धीरेन्द्र कुमार प्रजापति, गजेन्द्र कुमार प्रजापति, मधुसूदन प्रजापति, विष्णुदत्त प्रजापति, इन्द्रेश प्रजापति, अभिषेक प्रजापति, सुरेन्द्र कुमार प्रजापति, मेहीलाल, महिला प्रकोष्ठ से सभासद अमरावती प्रजापति, विमला, रेणुका प्रजापति के साथ ही प्रजापति समाज के अनेक लोग शामिल रहे।

पुण्यतिथि पर समाजवादियों ने बाबू शिवदयाल सिंह चौरसिया को किया नमन्

संवाददाता–बस्ती। बुधवार को समाजवादी पार्टी कार्यालय पर पूर्व राज्यसभा सदस्य बाबू शिवदयाल सिंह चौरसिया को उनके पुण्यतिथि पर याद किया। सपा उपाध्यक्ष जावेद पिण्डारी की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने बाबू शिवदयाल सिंह के चित्र पर माल्यार्पण कर उनके व्यक्तित्व, कृतित्व पर प्रकाश डाला। कहा कि बाबू शिवदयाल सिंह चौरसिया के जीवनवृत्त से प्रेरणा लेनी होगी। उन्होने वंचितों, शोषितों और समाज के कमजोर लोगों को उनका हक दिलाने के लिये विपरीत हालातों में संघर्ष किया।

सपा नेता जावेद पिण्डारी, समीर चौधरी, मो. स्वालेह, कैश मोहम्मद, मोहम्मद सलीम, रणजीत यादव रिन्टू, प्रशान्त यादव आदि ने कहा कि शिव दयाल सिंह चौरसिया ने राष्ट्रीय स्तर पर तमाम जरूरतमंद गरीबों, दलितों ,शोषित समस्त पिछड़े वर्गो को सामाजिक,आर्थिक,शैक्षिक और राजनैतिक रूप से जागरूक करने का कार्य किया। 1929 में श्री शिव दयाल सिंह चौरसिया जी ने "बैकवर्ड क्लासेस लीग" की स्थापना की । 18 सितम्बर 1995 को श्री शिव दयाल सिंह चौरसिया जी हमेशा हमेशा के लिए चिरनिद्रा में सो गये। उनका योगदान सदैव याद किया जायेगा।

पुण्य तिथि पर शिव दयाल सिंह चौरसिया को नमन् करने वालों में भोला पाण्डेय, मो0 दाउद, इरशाद खान, आदित्य पाण्डेय, बलवन्त यादव, विशाल यादव, गिरीश चन्द्र, युनुस आलम, जोखू लाल यादव, रमेश कुमार गौतम, विजय प्रताप यादव, विवेक यादव, राहुल कुमार सोनकर, विशाल सोनकर, रामजीत यादव, गौरीशंकर यादव के साथ ही सपा के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शिक्षकों ने विभिन्न समस्याओं को लेकर डीएम, बीएसए को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता–बस्ती। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष चन्द्रिका सिंह के नेतृत्व में बुधवार को शिक्षकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी और बीएसए को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से परिषदीय विद्यालयों में विद्युत संयोजन का कार्य पूर्ण कराने, गैर मान्यता प्राप्त विद्यालयों पर कार्यवाही करने तथा समायोजन प्रक्रिया की विसंगतियों को दूर करने की मांग की गई। जिलाध्यक्ष ने कहा कि जनपद के 385 परिषदीय विद्यालयों में विद्युत कनेक्शन के लिए ध नराशि का भुगतान हो जाने के छः माह बाद भी विद्युत संयोजन का कार्य अधूरा है जिससे शासन द्वारा प्रेषित धन का दुरुपयोग होने की संभावना प्रतीत हो रही है अतः विद्युत संयोजन का कार्य शीघ्र पूर्ण कराया जाए। जिला मंत्री बालकृष्ण ओझा ने कहा कि विभागीय अधिकारियों के साथ ही जिले के सभी उपजिलाधिकारी, जिलाधिकारी तथा मंडलायुक्त को ज्ञापन देने के बावजूद गैर मान्यता प्राप्त विद्यालयों पर कोई कार्यवाही अभी तक नहीं हुई है जिसको लेकर शिक्षकों में काफी रोष है। जिला कोषाध्यक्ष दुर्गेश यादव और जिला उपाध यक्ष रवीश मिश्र ने कहा कि शिक्षकों के समायोजन प्रक्रिया में काफी विसंगतियां हैं। माननीय उच्च न्यायालय के आदेश के क्रम में प्राथमिक के प्रधानाध्यापक को जूनियर का सहायक अध्यापक ना माना जाए। साथ ही प्रत्येक उच्च प्राथमिक विद्यालय में कम से कम तीन शिक्षक विज्ञान और गणित, सामाजिक विज्ञान तथा भाषा के शिक्षक की अनिवार्य रूप से तैनाती हो। बीएसए ने प्रतिनिधि ा मंडल से बताया कि संघ द्वारा पूर्व में दिए गए पत्रों के आधार पर डीएम द्वारा तहसीलवार उप जिलाधिकारी, पुलिस क्षेत्राधिकारी और विभागीय खण्ड शिक्षा अधिकारी की एक टीम बनाकर जल्द ही गैर मान्यता प्राप्त विद्यालयों पर कार्यवाही की जायेगी। कहा कि समायोजन की समस्याओं के संदर्भ में सचिव बेसिक शिक्षा परिषद से मार्गदर्शन मांगा जाएगा और विद्यालयों में विद्युत संयोजन का कार्य जल्द ही पूर्ण किया जाएगा। जिलाध्यक्ष चन्द्रिका सिंह ने कहा कि यदि शिक्षकों की समस्याओं का निस्तारण नहीं किया गया तो जिले के सभी शिक्षक 25 सितंबर को बीएसए कार्यालय पर धरना देंगे।

ज्ञापन सौंपने में मुख्य रूप से उपाध्यक्ष सुधीर तिवारी, शिव प्रकाश सिंह, प्रवीन श्रीवास्तव,संगठन मंत्री अविनाश दुबे, सिंह, सुनील, प्रशांत बारगाह, विवेक सिंह, मुरलीधर शामिल रहे।

फरेन्दा को नया जिला बनाये जाने की प्रक्रिया तेज

संवाददाता–महराजगंज। उत्तर प्रदेश को एक और जिला मिल सकता है। अगर यह जिला बनता है तो प्रदेश में जिलों की संख्या 76 हो जाएगी। प्रदेश में फरेंदा को नया जिला बनाने के लिए गोरखपुर के कमिश्नर से रिपोर्ट मांगी गई है। इस संबंध में राजस्व परिषद के आयुक्त एवं सचिव की ओर से गोरखपुर के डीएम को पत्र भेजा गया है। इसमें कहा गया है कि महराजगंज की तहसील फरेंदा व नौतनवा और गोरखपुर की तहसील कैंम्पियरगंज को मिलाकर फरेंदा बनाए जाने के संबंध में अपनी रिपोर्ट स्पष्ट संस्तुति के साथ दें। डीएम को यह रिपोर्ट गोरखपुर के मंडलायुक्त के जरिये राजस्व परिषद को भेजनी है। वहीं, राजस्व परिषद के अध्यक्ष अनिल कुमार का कहना है कि सामान्य प्रक्रिया के तहत जिलों से रायशुमारी के लिए पत्र जारी हुआ है। फिलहाल शासन स्तर पर कोई नया जिला बनाने का प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। सूत्रों के अनुसार महराजगंज जिला प्रशासन ने इस प्रस्ताव को लेकर असमहित जाहिर की है। उनका कहना है कि नया जिला बनने पर महराजगंज में सिर्फ दो तहसीलें महराजगंज सदर और निचलौल बची रहेंगी। जो कि शासन के अनुरूप नहीं होगा। एक जिले में कम से कम तीन तहसीलें होनी चाहिए। उधर फरेन्दा को जिला बनाने की मांग जोर पकड़ रही है। निगाहें इस बात पर टिकी है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार इस दिशा में कब और किस तरह की पहल कर सकती है।

धर्म की रक्षा के लिए सुदर्शन भी जरूरी, केवल मुरली से काम नहीं चलेगा–योगी आदित्यनाथ

अगरतला उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को त्रिपुरा में बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि केवल मुरली से काम नहीं चलेगा, बल्कि सुरक्षा के लिए सुदर्शन भी जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर आप धर्म की रक्षा करेंगे तो धर्म भी आपकी रक्षा करेगा।

उन्होंने कहा, त्रिपुरा में डबल इंजन की सरकार है, जो डबल स्पीड से सर्वांगीण विकास के लिए काम कर रही है। हम सबके सामने धार्मिक क्षेत्र में हो रही प्रगति उल्लेखनीय हैं। योगी आदित्यनाथ ने बांग्लादेश का नाम लिए बगैर कहा, 'बगल में आपके हजारों किलोमीटर की सीमा के पार जो हमारे बंधुगण रह रहे हैं, उनकी क्या स्थिति है, ये आपसे छिपी हुई नहीं है।

उन्होंने आगे कहा, हम सबको इस बात को ध्यान में रखना होगा कि अगर आप धर्म की रक्षा करेंगे तो धर्म आपकी रक्षा करेगा। लेकिन अगर आप अपने स्वार्थ के लिए धर्म का बलिदान करेंगे, तो वह धर्म भी आपके साथ उसी प्रकार का व्यवहार करेगा। हमारी सनातन मान्यता रही है– 'यतो धर्मस्ततो जयः, यही हम सबकी शिक्षा है। हम सब 'एक भारत–श्रेष्ठ भारत' के रूप में देश को मजबूत करने के लिए कार्य कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी का संकल्प और सामर्थ्य हम सबको एक नई यात्रा पर आगे बढ़ा रहा है।

आदित्यनाथ ने आगे कहा, 'हम यह भी जानते हैं कि भगवान श्रीकृष्ण की स्मृति जब हम सबके सामने आती है, तो उनके एक हाथ में मुरली है, तो दूसरे हाथ में सुदर्शन है। केवल मुरली से काम नहीं चलेगा, बल्कि रक्षा के लिए सुदर्शन भी आवश्यक है। सुदर्शन जब आपके पास होगा तो फिर किसी को बलिदान नहीं देना पड़ेगा।

कैबिनेट मंत्री, बस्ती के प्रभारी आशीष पटेल का अपना दल एस नेताओं ने किया स्वागत

संवाददाता–बस्ती। मंगलवार को अपना दल एस जिलाध्यक्ष राजमणि पटेल, अल्पसंख्यक मंच के जिलाध्यक्ष निसार अहमद के संयोजन में कैबिनेट मंत्री एवं बस्ती जनपद प्रभारी आशीष पटेल का टाण्डा पुल के निकट फूल मालाओं के साथ स्वागत किया गया। आशीष पटेल ने कहा कि पार्टी पदाधिकारी जनता के बीच कल्याणकारी योजनाओं को लेकर जाय। उनके स्तर पर जितना संभव होगा स्थानीय स्तर पर जनपद के विकास की गति तेज की जायेगी।

अपना दल एस के राष्ट्रीय सचिव राम नयन पटेल, प्रदेश महासचिव राम सिंह पटेल ने प्रभारी मंत्री आशीष पटेल को स्थितियों की जानकारी दिया। इस बात पर जोर दिया विकास कार्यों को जमीनी धरातल पर क्रियान्वयन कराया जाय। अपना दल एस जिलाध्यक्ष राजमणि पटेल, जिला महासचिव शिव कुमार चौधरी, अल्पसंख्यक मंच के जिलाध्यक्ष निसार अहमद ने कहा कि निश्चित रूप से आशीष पटेल प्रभारी मंत्री के रूप में विकास योजनाओं को गति देंगे।

जनपद के प्रभारी मंत्री आशीष पटेल का स्वागत करने वालों में मुख्य रूप से अपना दल एस के सुखराम पटेल, प्रदीप चौधरी राना, लालचंद पटेल, संजय चौधरी, रामजीत पटेल, सईद खान, अभिषेक आर्य, दुर्गेश चौधरी, पुष्कर चौधरी आदि शामिल रहे।

चुनाव की तैयारियों में जुटी निषाद पार्टी: विधानसभा प्रभारी घोषित

संवाददाता–बस्ती। सोमवार को निषाद पार्टी की बैठक सर्किट हाउस में जिलाध्यक्ष अशोक निषाद की अध्यक्षता में। बैठक में संगठन की मजबूती और आगामी चुनावों को देखते हुए पार्टी की भूमिका पर विचार विमर्श किया गया। पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं बस्ती मण्डल प्रभारी घनश्याम निषाद ने कहा कि संगठन की मजबूती से ही समाज के शोषितों, वंचितों को लाभ मिल सकेगा। निषाद पार्टी वंचित समाज को राजनीतिक, सामाजिक, शैक्षिक जागरूकता और आर्थिक मजबूती के लिये लगातार सक्रिय है। कहा कि 2027 के विधानसभा चुनाव में निषाद पार्टी की मजबूत उपस्थिति के लिये अभी से जुट जाने की जरूरत है।

जिलाध्यक्ष अशोक निषाद ने बैठक में बताया कि जनपद के सभी पांच विधानसभा क्षेत्रों में पार्टी के प्रभारी और सह प्रभारी नियुक्त किये गये हैं। संगठन के स्तर पर समाज के शोषितों, वंचितों को जागरूक करने की दिशा में निरन्तर प्रयास जारी है। निषाद पार्टी युवा मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष श्रवण निषाद, प्रदेश सचिव दीपू निषाद ने बैठक में कहा कि पदाधिकारी और कार्यकर्ता गरीबों, वंचितों को जागरूक करने की दिशा में अपनी भूमिका निभायें और उन्हें सरकार के कल्याणकारी योजनाओं के लाभ से जोड़ने की दिशा में कार्य करें। वक्ताओं ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं मंत्री संजय निषाद के नेतृत्व में लगातार पार्टी को मजबूत करने की दिशा में चरणबद्ध अभियान जारी है। आगामी 2027 के चुनाव को देखते हुये बैठक में सर्व सम्मत से बस्ती सदर विधानसभा क्षेत्र से अजय निषाद प्रभारी, मिथलेश निषाद सह प्रभारी, रामवृक्ष निषाद, सन्तोष प्रजापति उप सह प्रभारी, महादेवा से ज्ञान प्रकाश निषाद प्रभारी, नेबूलाल सह प्रभारी, वृजमोहन, सोहनलाल, राजेश निषाद, राम गोपाल निषाद उप सहप्रभारी, कप्तानगंज से रमेश मल्लाह प्रभारी, संदीप निषाद सह प्रभारी, चन्द्र प्रकाश निषाद, जमुना निषाद, राम नवल निषाद उप सह प्रभारी, हर्रैया से अशोक निषाद प्रभारी, बलिराम निषाद सह प्रभारी, मोनू निषाद, निरंजन, राजेश उप सह प्रभारी, रूधौली से दीपू निषाद प्रभारी, हरि प्रसाद, धर्मराज निषाद सह प्रभारी, राजकुमार निषाद, सर्वेश कुमार, विजय निषाद उप सह प्रभारी घोषित किये गये।

बैठक में अजय निषाद, मोनू निषाद, राजेश निषाद, धर्मराज निषाद, बलराम निषाद, गोरख निषाद,मनीषा निषाद, रिंकी निषाद, विजय बहादुर, रामनवल निषाद, मिथलेश निषाद के साथ ही पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हवन, यज्ञ, भण्डारे के साथ मनायी गयी भगवान विश्वकर्मा जयन्ती

संवाददाता–बस्ती। सृजन के देवता भगवान विश्वकर्मा की स्थान–स्थान पर पूजा के साथ भण्डारे और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गये। इसी कड़ी में लघु सिंचाई विभाग डिप्लोमा इंजीनियरिंग संघ व बोरिंग टेक्निशियन संघ मण्डल द्वारा अधिशासी अभियन्ता सुभाष चन्द्र के संयोजन में ब्लाक रोड स्थित अधिशासी अभियन्ता लघु सिंचाई खण्ड के कार्यालय पर विधि विधान से हवन, यज्ञ, भण्डारे के साथ भगवान विश्वकर्मा पूजे गये। सुभाष चन्द ने कहा कि भगवान विश्वकर्मा निर्माण के देवता है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से अमरेश श्रीवास्तव, सुभाष पाण्डेय, राहुल श्रीवास्तव, सतीश पाण्डेय, आशीष शुक्ल, मिथिलेश श्रीवास्तव, अजय कुमार, विमल सिह, अभिलाष श्रीवास्तव, राम प्रकाश चौधरी, परविन्दर सिंह के साथ ही अनेक विभागीय अधिकारी, कर्मचारी, स्थानीय लोग शामिल रहे।

मरहबा के नारों से गूंजा शहर, निकाला गया जुलूसे मोहम्मदी

संवाददाता–बस्ती। इस्लाम धर्म के आखिरी पैगम्बर (संदेश वाहक) हजरत मोहम्मद (सल.) के जन्म दिवस के अवसर पर सोमवार सुबह गांधी नगर में ईदे–मीलादुन्नबी का जुलूस निकाला गया। जुलूस में रसूल की आमद मरहबा, सरकार की आमद मरहबा, अल्लाहो अकबर और या रसूलल्लाह की सदाएं गूंज रहीं थी। जुलूस को जगह–जगह पर रोका जा रहा था, जहां पर नातिया कलाम व मनकबत पेश की जा रही थी। बुजुर्ग, नौजवान व बच्चे सभी जोश व उत्साह में नजर आ रहे थे।

गांधी नगर स्थित ईदगाह से जुलूस शुरू हुआ, जो गांधी नगर, रोडवेज तिराहा होते हुए दक्षिण दरवाजा पहुंचा। यहां पर अंजुमन मोईनुल इस्लाम पुरानी बस्ती के लोगों ने जुलूस का स्वागत किया। यहां से जुलूस पांडेय बाजार के लिए आगे बढ़ गया। जुलूस के साथ परचमे इस्लाम चल रहा था, जिसकी लोगों ने जियारत किया।

काफी संख्या में नौजवान जुलूस के आगे इस्लामी परचम हाथों में लेकर लहरा रहे थे। जुलूस के रास्ते में जगह–जगह स्वागत द्वार बनाया गया था। रास्ते के अगल–बगल सब्ज रंग के परचम लहरा रहे थे। जुलूस में शामिल अकीदतमंदों के लिए जगह–जगह चाय व पानी का प्रबंध किया गया था। हुसैनी मिशन गांधीनगर की जानिब से सबील का प्रबंध किया गया था।

जुलूस के दौरान शहर के चौक–चौराहे जाम से कराह उठे। मुख्य मार्गों पर पुलिस की बैरीकेडिंग और जुलूस के चलते उमड़ी भीड़ से रास्ता बंद हो गया। इससे राहगीरों को खूब परेशान होना पड़ा। नेहरू तिराहे पर बैरीकेडिंग होने से मरीजों को अस्पताल तक पहुंचने में भी कठिनाई हुई और जुलूस आगे बढ़ने तक एक जगह बैठकर इंतजार करना पड़ा।

सुबह आठ बजे से दिन में 11 बजे तक कंपनीबाग से जिला अस्पताल तक वाहनों के आवागमन पर रोक–टोक जारी रहा। बड़े से छोटे वाहन को डायवर्ट कर दिया गया था। इससे लोगों को वैकल्पिक मार्ग से गंतव्य तक पहुंचना पड़ा। जिला अस्पताल में जो मरीज परामर्श के लिए आए थे, उन्हें चौराहे से आगे नहीं बढ़ने दिया जा रहा था। इससे वह परेशान होकर इधर–उधर भटकते दिखे। घंटों मरीजों को परेशान होना पड़ा। बाद में जुलूस के आगे बढ़ने पर अस्पताल में प्रवेश मिला। यही नहीं जलकल के ट्रैंकर को भी पानी ले जाने में समस्या हुई। जुलूस के कारण वाहनों का प्रवेश ठप था। ऐसे में काफी परेशानी हुई। लोगों को शिवा कालानी, दक्षिण दरवाजा टीबी अस्पताल अन्य मार्ग से आवागमन करना पड़ा।

सपा कार्यालय पर पूजे गये भगवान विश्वकर्मा:जयन्ती पर गोष्ठी का आयोजन

संवाददाता–बस्ती। समाजवादी पार्टी कार्यालय पर अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा जिलाध्यक्ष वैजनाथ शर्मा के संयोजन में विश्वकर्मा जयन्ती उल्लास पूर्वक मनाया गया। विधि विधान से पूजन, के साथ आयोजित गोष्ठी में विधायक राजेन्द्र चौधरी ने कहा कि भगवान विश्वकर्मा हमें सतत अभ्यास, लगन और श्रम की प्रेरणा देते हैं। भगवान विश्वकर्मा सृजन के आदि देव माने जाते हैं जिन्होंने अपने महानतम कर्म से स्वर्णिम इतिहास रचा। विश्वकर्मा एक आदर्श एवं उच्चकोटि के शिल्पी ही नहीं वरन आदि अभियंता हैं।

पूर्व विधायक राजमणि पाण्डेय ने कहा कि शास्त्रों के अनुसार ज्ञान का उपयोग करके भगवान विश्वकर्मा ने विष्णु भगवान के लिए सुदर्शन चक्र, शिवजी के लिए त्रिशूल, इंद्र के लिए विजय नामक रथ एवं पुष्पक विमानों का निर्माण किया। जिसे आधुनिक भाषा में क्रमशः प्रक्षेपास्त्र तथा आकाशयान कहते हैं। कहा कि जो लोग निष्ठा से निर्माण क्षेत्र में परिश्रम करते हैं ऐसे अभियन्ता, श्रमिक भगवान विश्वकर्मा को विधि विधान से पूजते हैं।

अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा के अध्यक्ष वैजनाथ शर्मा ने भगवान विश्वकर्मा के सृजन पर विस्तार से प्रकाश डाला। कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष राम आसरे विश्वकर्मा के दिशा निर्देश के अनुरूप आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विश्वकर्मा समाज के लोग उपस्थित रहे।

इस अवसर पर मो0 स्वालेह, हरेश्याम विश्वकर्मा, ब्रम्हानन्द शर्मा, प्रकाश शर्मा, संजय शर्मा, अम्बिका विश्वकर्मा, वारिस, विपुल शर्मा, हेन्त शर्मा, महेन्द्र प्रसाद सोनी, रूपेश विश्वकर्मा, राम अवतार विश्वकर्मा, भीम शर्मा, मनीष शर्मा, अभय विश्वकर्मा, नकुल शर्मा, श्याम जी विश्वकर्मा, शंकर दयाल शर्मा, श्याम सुन्दर यादव, धर्म सिंह शर्मा, अनुराग गौतम, रामजनाथ शर्मा, सूरज, वैजनाथ शर्मा, राज, रामशंकर निराला, कैलाश शर्मा, राम मोहन सिंह, राम दिनेश चौधरी, जनेश्वर चौधरी, गौरीशंकर यादव,

ब्रम्हानन्द शर्मा, बलराम विश्वकर्मा, राम प्रीत शर्मा, दिनेश विश्वकर्मा, उदयराज विश्वकर्मा, अशोक विश्वकर्मा,रूपेश विश्वकर्मा, राजनाथ शर्मा, राज गोविन्द, भीम शर्मा, विन्देश्वरी विश्वकर्मा, वीरू विश्वकर्मा, राजकुमार विश्वकर्मा, कन्हैया शर्मा, हरि प्रसाद शर्मा के साथ ही अधिवक्ता सभा जिलाध्यक्ष राजेश यादव, राम शंकर निराला, कैलाश शर्मा, यदुराम यादव, दीपू चौधरी के साथ ही सपा के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

योगी आदित्यनाथ दूसरे विक्रमादित्यः ओम प्रकाश यादव

संवाददाता–अयोध्या। योगी आदित्यनाथ इस अयोध्या धाम के लिए दूसरे सम्राट विक्रमादित्य हैं। उन्होंने इस धर्म नगरी की काया पलट दी है। उनकी मंशा को प्रशासन और विकास में संलग्न एजेंसिया सही तरीके से क्रियान्वित नहीं कर रही हैं। पूरी अयोध्या में विकास प्राधिकरण ने जो अपना लोगो लगाया है, उसमें अयोध्या अंग्रेजी में लिखा गया है। जब मातृभाषा को यहीं सम्मान नहीं मिलेगा, तो कहां मिलेगा। पूरी अयोध्या घूम लीजिए कहीं हिन्दी में अयोध्या लिखा मिल जाए तो जानिये। ये बातें विश्व हिंदू महासंघ के प्रदेश महामंत्री ओम प्रकाश यादव ने कहीं। वह यहां पर विहिम के संस्थापक पूर्व सांसद गोरक्षपीठाधीश्वर ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की स्मृति में आयोजित संगोष्ठी एवं समरसता भोज के अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे। यह कार्यक्रम कामता प्रसाद सुंदर लाल साकेत महाविद्यालय के राजा जगंबिका प्रताप सिंह सभागार में मंगलवार को आयोजित किया गया। यादव ने कहा कि आज हिन्दू समाज बंटा हुआ है, कटा हुआ है। इसे समरस करने का जिम्मा हमारा है। जातीय संगठन और जातीय अस्मिता सामाजिक समसरता में सबसे बड़े बाधक हैं। जातीय अहमन्यताएं भुलाकर जिस दिन हिन्दू केवल हिन्दू हो जाएगा, उसी दिन भारत हिन्दू राष्ट्र बन जाएगा। मातृशक्ति प्रकोष्ठ की प्रदेश महामंत्री रेखा श्रीवास्तव ने कहा कि समसरता हमारे व्यवहार में आनी चाहिए। यह केवल दिखावा नहीं होना चाहिए। सामाजिक समरसता ही राष्ट्र सशक्त बनेगा। किन्नर महंत कनकेश्वरी देवी ने कहा कि हमारे सामने एकजुट होने के अतरिक्त कोई विकल्प नहीं है। जिस दिन मातृशक्ति समरसता के लिए आगे आ जाएगी, समाज से सारे भेद समाप्त हो जाएंगे। प्रदेश उपाध्यक्ष धीरेन्द्र सिंह ने महंत अवेद्यनाथ के जीवन पर चर्चा के क्रम में कहा कि उन्होंने गोरक्षपीठ पीठ की परंपरा ही अभेद समाज की रही है। उसी परंपरा को महंत अवेद्यनाथ ने आगे बढ़ाया और योगी आदित्यनाथ बतौर मुख्यमंत्री उसी दिशा में कार्य रहे हैं। महानगर मातृशक्ति अध्यक्ष एकता भटनागर ने धर्मांतरण के मुद्दे पर सतर्कत रहने और एकजुट होने की अपील की। संगोष्ठी को कथा व्यास जया मिश्रा, गोरखपुर संभाग प्रभारी दिग्विजय नाथ शाही व जिला उपाध्यक्ष राहुल सिंह ने भी संबोधित किया। महानगर उपाध्यक्ष केसी श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर अतिथियों का स्वागत गोरक्षा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष प्रवीण दूबे, जिला महामंत्री संतोष रावत, जिला उपाध्यक्ष नीरज पाठक, धर्माचार्य प्रकोष्ठ के जिला प्रभारी महंत अंजनीशरण दास, जिला अध्यक्ष अजय मिश्रा व उपाध्यक्ष पंडित रमेश मिश्र शास्त्री, मातृशक्ति प्रकोष्ठ की जिलाध्यक्ष पल्लवी वर्मा, महानगर प्रभारी अमिता सिंह, महामंत्री सुधा पांडेय, रूबी रावत, सोनाली गौड़, शारदा सोनी, पं. शिवकुमार मिश्र, दीप सहाय ने किया। कार्यक्रम में अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष राजेश सिंह, जिलाध्यक्ष अनिल कुमार सिंह, रिंकू सिंह, शेर बहादुर सिंह, छोटू सिंह पूर्व प्रधानाचार्य देवी प्रसाद वर्मा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के गोसेवा विभाग के अनिल मिश्र व चंद्र प्रकाश श्रीवास्तव, गंगा समग्र के उमेश मिश्र, बीएसएनएल के पूर्व मुख्य लेखाकार गिरिजाशंकर मिश्र, राजेश उपाध्याय, अनिल यादव, गौरव मिश्रा, आदर्श शुक्ला नेताजी सुभाषचंद्र बोस केंद्रीय विचार मंच के अध्यक्ष शक्ति सिंह, समाजसेवी स्मृता तिवारी सहित कई लोगों को सम्मानित किया गया।

प्राविधिक सहायकों का धरना समाप्त

संवाददाता–बस्ती। प्राविधिक सहायक भानुशंकर पर जानलेवा हमले के मामले को लेकर उप कृषि निदेशक कार्यालय परिसर में चल रहा अनिश्चितकालीन धरना समाप्त हो गया। अधीनस्थ कृषि सेवा संघ जिलाध्यक्ष अभिषेक ने प्रेस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि तीन सूत्रीय मांगों को लेकर 5 दिनों तक धरना चलाया गया। दोषियों की गिरफ्तारी, धारा बढाये जाने के बाद यह निर्णय लिया गया। मंगलवार को जिला कृषि अधिकारी बाबूराम ने प्राविधिक सहायकों का आवाहन किया कि मांगो के पूरा हो जाने के बाद अब धरना समाप्त कर अपने कार्यों पर जुट जांय।

धरने को सफल बनाने में राज्य कर्मचारी संघ जिलाध्यक्ष मस्तराम वर्मा, कार्यवाहक अध्यक्ष राम अधार पाल, जिला मंत्री तौलू प्रसाद लेखपाल संघ जिलाध्यक्ष राम सुमेर यादव, मंत्री अंकित चौधरी, उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष उदयशंकर शुक्ल के साथ ही प्राविधिक सहायकों ने योगदान दिया।

धरने के समापन के दौरान मुख्य रूप से हेरम्बनाथ त्रिपाठी, दिलीप चौधरी, विजय वर्मा, क्षितिज, मुकेश कुमार, अमित कुमार, अभिमन्यु, आनन्द कुमार सिंह, पवन मिश्रा, रामकृष्ण शुक्ला, हरिलाल जायसवार, राजेन्द्र प्रसाद, वृजेश कुमार निषाद, अरून कुमार, राजू, धर्मेन्द्र वर्मा, पिन्टू कुमार, भानुशंकर के साथ ही विभिन्न कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

गोरखपुर को मिलेगा उत्तर भारत का पहला फ्लोटिंग रेस्टोरेंट

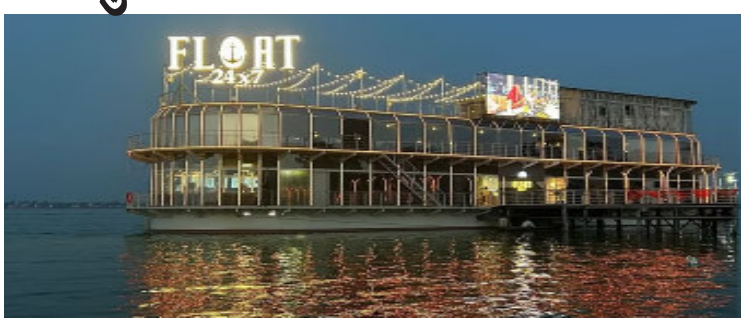

संवाददाता–गोरखपुर। बीते सात वर्षों में योगी सरकार ने रामगढ़ताल क्षेत्र का ऐसा कायाकल्प किया है कि इस क्षेत्र की ख्याति गोरखपुर के श्मरीन ड्राइवश की हो गई है। पूर्वी उत्तर प्रदेश के सबसे डिमांडेड टूरिस्ट स्पॉट के रूप में विकसित हुए रामगढ़ताल में क्रूज की सुविधा तो पहले से ही है, अब यहां फ्लोटिंग रेस्टोरेंट का लुत्फ भी उठाया जा सकेगा। नैसर्गिक सौंदर्य वाले रामगढ़ताल में अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त उत्तर भारत का फ्लोटिंग रेस्टोरेंट बनकर तैयार है। इसका उद्घाटन गुरुवार 19 सितंबर को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे। रामगढ़ताल क्षेत्र पर्यटन और खानपान के महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में उभरा है। इस क्षेत्र में हॉस्पिटैलिटी के तमाम ब्रांडेड प्रतिष्ठानों की दस्तक तो हो ही चुकी है। अब यहां पर्यटकों को रामगढ़ताल में श्फ्लोटश नाम से फ्लोटिंग रेस्टोरेंट यानी पानी पर तैरते रेस्तरां की सुविधा भी मिलेगी। लेक क्वीन क्रूज के बाद फ्लोटिंग रेस्टोरेंट सैलानियों के लिए बड़ी सौगात होगा। दशकों तक उपेक्षित और गंदगी के पर्याय बने रहे रामगढ़ताल पर योगी सरकार ने ऐसी संजीदगी दिखाई कि आज इसकी गिनती पूर्वी उत्तर प्रदेश के खूबसूरत व दर्शनीय पर्यटन स्थल के रूप में अग्रपंक्ति में है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में निखरे और संवरे रामगढ़ताल के साथ पर्यटन व रोजगार का कदमताल विकास की नई तस्वीर पेश करता है। आज यह ताल सैलानियों का मनभावन है तो बड़ी संख्या में युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने का माध्यम भी। सात साल पहले तक उपेक्षा के शिकार रहे रामगढ़ताल की गिनती पूर्वी उत्तर प्रदेश के पसंदीदा पर्यटक स्थल के रूप में हो रही है। जिस 1700 एकड़ विस्तृत प्राकृतिक ताल में शहर भर की गंदगी गिरती थी, वह सीएम योगी के विजन और उसके अनुरूप हुए विकास कार्यों से ऐसी निखर उठी है कि दूर दूर से लोग उसकी खूबसूरती का दीदार करने आ रहे हैं। रामगढ़ताल में पर्यटक 15 दिसंबर 2023 को सीएम योगी के हाथों लोकार्पित 'लेक क्वीन' क्रूज की सवारी का आनंद उठा रहे हैं और अब इस ताल में फ्लोटिंग रेस्टोरेंट पर लजीज व्यंजनों का लुत्फ भी उपलब्ध है। फ्लोटिंग रेस्टोरेंट का निर्माण 17 अगस्त 2022 से शुरू हुआ था और अब यह बनकर तैयार हो चुका है।

महायोगी गोरखनाथ विवि के 4 कैडेट्स रिपब्लिक डे कैंप में चयनित

संवाददाता–गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के 102 यूपी बटालियन के चार एनसीसी कैडेट्स सीनियर अंडर ऑफिसर सागर जायसवाल, सार्जेंट खुशी गुप्ता, कैडेट कृष्णा त्रिपाठी और आशुतोष मणि त्रिपाठी का चयन रिपब्लिक डे कैंप, प्रथम चरण के लिए हुआ है। इन कैडेट्स के चयन पर विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह, कर्नल वीके शर्मा, एनसीसी अधिकारी डॉ संदीप कुमार श्रीवास्तव ने बधाई दी है। कुलपति ने बताया कि सीनियर अंडर आफिसर सागर जायसवाल और सार्जेंट खुशी गुप्ता कृषि संकाय के और कैडेट्स आशुतोष मणि त्रिपाठी और कृष्णा त्रिपाठी संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के विद्यार्थी हैं। ये चारो कैडेट्स 30 सितंबर से 9 अक्तूबर तक 48 बटालियन एनसीसी द्वारा गोंडा में आयोजित शिविर में प्रतिभाग करेंगे।

कांग्रेसियों ने केंद्रीय मंत्री के खिलाफ किया प्रदर्शन

संवाददाता–गोरखपुर। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को आतंकी बताने वाले बयान को लेकर केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू समेत अन्य बीजेपी नेताओं के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेसियों ने राज्यपाल आनंदीबेन पटेल को संबोधित ज्ञापन मण्डलायुक्त कार्यालय में सौंप कर उचित कार्रवाई की मांग की। बुधवार की दोपहर आंदोलित कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने रानी लक्ष्मी बाई पार्क, महात्मा गांधी प्रतिमा से मण्डलायुक्त कार्यालय तक जुलूस निकाला। जोरदार नारेबाजी भी की। कई स्थानों पर पुलिस से प्रतिरोध भी हुआ।

सामाजिक समरसता का लक्ष्य पाना है, ऋषियों, संतों की परंपरा से प्रेरित –प्रो. ईश्वर शरण विश्वकर्मा

संवाददाता–गोरखपुर। उत्तर प्रदेश उच्च शिक्षा आयोग के पूर्व अध यक्ष प्रो. ईश्वर शरण विश्वकर्मा ने कहा कि भारत सिर्फ एक देश नहीं है बल्कि यह पूरे विश्व का मार्गदर्शन करने के लिए एक अपरिहार्य आवश्यकता भी है, इसलिए इसका समर्थ और सशक्त होना अति आवश्यक है। भारत के समर्थ और सशक्त होने के लिए यह अनिवार्य हो जाता है कि जहां सामाजिक समरसता अपने उच्च स्तर पर दिखे। सामाजिक समरसता का भारत पूरे विश्व की आवश्यकता है। सामाजिक समरसता के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हमें अपने ऋषियों और संतों की उस परंपरा से प्रेरित होना होगा, जिन्होंने हमें समरस और समर्थ समाज की विरासत दी थी।

विज्ञापन यह सबके लिए गौरवपूर्ण अनुभूति है कि समरस समाज के लिए नाथपंथ, इसके आभिर्भावक शिवावतार महायोगी गोरखनाथ और इस परंपरा के संवहन से अहर्निश एवं अद्यतन जुड़ी गोरक्षपीठ की प्रो. विश्वकर्मा युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ की 55वीं और राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की 10वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में समसामयिक विषयों के सम्मेलनों की श्रृंखला के तीसरे दिन सामाजिक समरसता महायोगी गोरखनाथ और नाथपंथ के विशेष संदर्भ सन्दर्भ में'विषयक सम्मेलन को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। सभ्यता के प्रादुर्भाव काल से ही भारत पूरी दुनिया में अन्य देशों से बिल्कुल भिन्न रहा है। महाभारत में भगवान श्रीकृष्ण, अर्जुन से कहते हैं कि भारतवर्ष पूरे विश्व में श्रेष्ठतम है। इसका कारण यह है कि एकमात्र ऐसा देश है जिसके समाज का निर्माण ऋषियों, मुनियों एवं संतों की चिंतन परंपरा से हुआ है। संतों की चिंतन परंपरा ने ही मनुष्य को एक समाज के रूप में सबसे विचारवान प्राणी बनाया। मनुष्यता को केंद्र में रखकर हमारे ऋषियों और संतों ने समाज को जो विरासत दी, उसकी सबसे अमूल्य निधि रही समरसता। संतो द्वारा बनाए गए हमारे समाज की ही विशेषता थी कि हमें वसुधैव कुटुंबकम का दर्शन विरासत में प्राप्त हुआ। प्रो. विश्वकर्मा ने कहा कि जब हमारी विरासत सामाजिक समरसता को लेकर इतनी समृद्धि थी तो यह विचारणीय प्रश्न है कि आज हमें इसे लेकर अलग से चिंतन क्यों करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि भारत की सामाजिकता और सामाजिक चिंतन प्रणाली का एक दौर ऐसा भी था जब विदेशी अध्येता भारत का दर्शन करने और यहां के विचार–दर्शन का अध ययन करने आते थे। उन्होंने कहा कि वाह्य आक्रमण, धर्म परिवर्तन जैसे कारण ही सामाजिक समरसता कम होने के लिए जिम्मेदार नहीं है बल्कि सबसे बड़ा कारण हमारा संतों की परंपरा से विलग होना रहा है।

प्रो. विश्वकर्मा ने कहा कि गोरख पीठ के पेठाधीश्वरों ने सामाजिक समरसता को मजबूत करने मेंअथक प्रयास किए हैं। इस पीठ के ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ और महंत अवेद्यनाथ ने जातिवाद और अस्पृश्यता से मुक्ति के लिए जो योगदान दिए हैं, वह अतुलनीय हैं। महंतद्वय के नेतृत्व में आगे बढ़ा राम मंदिर का आंदोलन वास्तव में सामाजिक समरसता को भी प्रतिबिंबित करता है। जिस प्रकार भगवान राम ने अपने जीवन में निषादराज, शबरी आदि के माध्यम से सामाजिक समरसता का आदर्श प्रस्तुत किया था, उसी तरह राम मंदिर को लेकर चलाए गए अभियान में भी महंत अवेद्यनाथ ने दलितों, वंचितों को आगे लाकर सामाजिक समरसता को यथार्थ रूप में स्थापित किया। काशी से आए महामंडलेश्वर संतोष दास उर्फ सतुआ बाबा ने कहा कि नाथपंथ सबका और सबके लिए है। यह पंथ किसी के साथ भेदभाव नहीं करता है। इसकी विशेषता को कोई भी गोरक्षपीठ आकर देख सकता है। गोरक्षपीठ न सदैव समाज को जोड़ने और समरसता बढ़ाने के लिए क्रांतिकारी कदम उठाने का काम किया है।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए जबलपुर से आए महंत नरिसंह दास ने कहा कि सामाजिक समरसता की जो अलख शिवावतार गुरु गोरखनाथ ने जगाई थी, वह नाथपंथ के संतों के लिए आज भी पथप्रदर्शक है। सम्मेलन की अध्यक्षता गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ, आभार ज्ञापन महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के सदस्य प्रमथनाथ मिश्र, संचालन माधवेंद्र राज, वैदिक मंगलाचरण डॉ रंगनाथ त्रिपाठी, गोरक्षाष्टक पाठ आदित्य पाण्डेय व गौरव तिवारी ने किया।

इस अवसर पर दिगम्बर अखाड़ा, अयोध्या के महंत सुरेशदास, नासिक महाराष्ट्र से पधारे योगी विलासनाथ, कटक उड़ीसा से आए महंत शिवनाथ,सवाई आगरा से आए ब्रह्मचारी दासलाल, अयोध्या से आए महंत राममिलनदास, देवीपाटन शक्तिपीठ, तुलसीपुर के महंत मिथलेशनाथ, कालीबाड़ी के महंत रविन्द्रदास आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

विधायक अजय सिंह ने कई गांवों में लगाया चौपाल कहा– गांव के विकास के लिए सरकार प्रतिबद्ध

संवाददाता–बस्ती । हरैया विधायक अजय सिंह द्वारा आपका सेवक आपके द्वार अभियान के तहत जनता के बीच पहुंचकर सरकार की उपलब्धि यां गिनाने और समस्याओं का निराकरण करने का कार्यक्रम लगातार जारी है। विधायक ने बुधवार को विक्रमजोत और परशुरामपुर ब्लॉक के देवकली, नगरा बदली, मेढाइया शुक्ल, रजवापुर और फरेंदा ग्राम पंचायत में चौपाल लगाकर वहां की जनता से मिले। चौपाल में उपस्थित किसान, दलित, महिला, बुजुर्ग, युवा सभी की समस्याओं से अवगत हुए। अधिकतर समस्याओं का मौके पर निराकरण किया तथा कई मामले में संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया। उपस्थित जन समूह को संबोधि ात करते हुए विधायक ने कहा कि हमारी सरकार गरीबों के कल्याण के लिए अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं चला रही है जिससे समाज के सभी वर्ग लाभान्वित हो रहे हैं। गांव के विकास के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। ग्रामीण क्षेत्र के विकास के लिए कई प्रकार की योजनाएं हैं जिससे गांव की तस्वीर बदल रही है। गरीब परिवार के बच्चों को अच्छी शिक्षा, स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्य कर रही है। कहा कि देश की मोदी सरकार ने विश्व पटल पर देश का नाम रोशन किया है। जिसकी सराहना पूरा विश्व कर रहा है। । इस अवसर पर बद्री प्रसाद चौधरी, चिंताराम वर्मा, रंजीत वर्मा, राजकुमार वर्मा, विसई वर्मा, प्रमोद वर्मा, सजीवन वर्मा, काशीराम वर्मा, तन्ना शर्मा, रामसरन, कौशल्यानंद पाण्डेय, अमरपाल चौधरी, अंबिका उपाध याय, राम बहादुर कोटेदार, पटवारी वर्मा, गुड्डू वर्मा, संतोष पाण्डेय, संजय सिंह, भरत सिंह, सोनू पाण्डेय, शेरा सिंह, आशू सिंह, लल्ला दूबे, अजीत विश्वकर्मा, सचिन आर्या, शोभा चौधरी, रामपाल यादव, विपिन सिंह, सचिन सिंह, राज, भरतलाल पटवा, अंगद वर्मा, शत्रुघन यादव, रामकिशोर गुप्ता, शिवदास गुप्ता, कृपा शंकर, बसंत गुप्ता, संजय वर्मा, सुकई प्रसाद गुप्ता, अनिल कोटेदार सहित हजारों लोग उपस्थित रहे।

भारतीय क्षेत्र में सख्ती देख नेपाल को बनाया विशेष प्रार्थना का ठिकाना

संवाददाता–महराजगंज। नेपाल के रूपन्देही जिले के आबू खैरहनी में धर्म प्रचार के लिए विशेष प्रार्थना सभा में जा रहे लोगों को नेपाली हिन्दूवादी संगठनों के कड़ा विरोध पर चेहरे पर कालिख पोत वापस भेजने की घटना से मिशनरियों के धर्म परिवर्तन की साजिश एक बार फिर सुर्खियों में है। देश के अंतिम छोर पर बसे महराजगंज जिले में लोगों को बरगला कर धर्म परिवर्तन कराने के मामले में सख्ती व निगरानी देख आरोपितों ने नेपाल के सीमावर्ती क्षेत्र को अपना नया ठिकाना बना लिया है। मिशनरियों के धर्म प्रचारक आर्थिक रूप व पढ़ाई के मामले में पिछड़े लोगों में घुसपैठ कर उन्हें विशेष प्रार्थना सभा में चमत्कार, मरीजों के निशुल्क उपचार समेत कई आर्थिक लालच दिखाकर उन्हें विशेष प्रार्थना सभा में बुला रहे हैं। माइंड वाश कर ध र्म विशेष के लिए प्रति आकर्षित कराने का प्रयास कर रहे हैं।

नेपाल के आबू खैरहनी में इसाई धर्म के विशेष सभा में जाने के प्रयास के दौरान महेशपुर बस पार्क पर नेपाल के हिन्दुवादी संगठनों ने करीब 80 भारतीय नागरिकों का विरोध करते हुए हंगामा शुरू कर दिया। इसके बाद नेपाल प्रहरी पुलिस मौके पर पहुंची। दो बस समेत सभी यात्रियों को नेपाल प्रहरी कार्यालय लाई। वहां सभी का नाम–पता नोट कर भारतीय सीमा में भेजना शुरू कर दी। यह देख नेपाल के हिन्दूवादी संगठन के महिला पुरूष कार्यकर्ता शनिवार को नोमेंस लैंड से सौ मीटर पहले विशेष प्रार्थना सभा में जाने वाले लोगों को रोक उनके चेहरों पर कालिख पोतना शुरू कर दिया। सोशल मीडिया पर इस घटनाक्रम का वीडियो तेजी से वायरल होने लगा।

जिले में विशेष प्रार्थना सभा की पूर्व में कई मामले सामने आ चुके हैं। मामला संज्ञान में आने के बाद जिले की पुलिस ठूठीबारी क्षेत्र के बोदना में अवैध ढंग से आयोजित विशेष प्रार्थना सभा को सख्ती से बंद करा चुकी है। पहले वहां हर रविवार को विशेष प्रार्थना सभा आयोजित होता था। अब हर रविवार को निगरानी से प्रार्थना सभा करने वाले प्रचारक गायब हो गए। कार्रवाई की लटकी तलवार को देख नेपाल को अपना नया ठिकाना बना लिए हैं।

मैं वो विधायक नहीं हूं...कलम रखी तो निपटारा हो जाएगा, अधिकारियों पर जमकर बरसे भाजपा एमएलए

संवाददाता–महराजगंज। सिसवा सीट से विधायक प्रेम सागर पटेल अचानक एक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) का निरीक्षण करने पहुंचे तो वहां के हालात को देखकर अधि ाकारियों पर जमकर बरसे। विधायक पर्ची काउंटर पर गए। वहां मरीजों की लाइन लगी थी। कुछ मरीजों ने उनसे एक की बजाए दो रुपए लिए जाने की शिकायत की। इस पर विधायक भड़क गए। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को डांटते हुए कहा कि व्यवस्था को बदहाल करके सरकार की छवि खराब न करें। यह सब बर्दाश्त नहीं करूंगा। विधायक ने कहा, इसी जनता से हम तुम्हारी दवाई करा देंगे। यही जनता तुमको...। अगर ऐसा तुमने किया तो। विधायक ने एक डीएम का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने कहा हमारे पास 5 हजार गाय गो–सदन में हैं। मैंने रैंडम चेक कराया था और सस्पेंड कराकर दम लिया। मैं वह विधायक नहीं हूं। याद रखना। अगर कलम रखी तो निपटारा हो जाएगा।

विधायक द्वारा अधिकारियों को डांटे जाने का एक वीडियो भी सामने आया है। मिठौरा स्वास्थ्य केंद्र पर पहुंचे थे। उन्होंने वहां मौजूद मरीजों से बातचीत कर स्थिति जानने की कोशिश की। किसी ने उन्हें बताया कि पर्ची के लिए दो रुपए लिया जा रहा है। इस पर विधायक नाराज हो गए। उन्होंने काउंटर पर बैठे कर्मचारी को कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि एक रुपए की बजाए दो रुपए क्यों लेते हो? इसका हिसाब कौन देगा। अस्पताल को दलाली का अड्डा बनाया तो बख्शूंगा नहीं। मरीजों को अच्छे ढंग से इलाज करो। यदि किसी मरीज को रेफर किया जाता है तो पर्चे पर लिखा जाना चाहिए कि किस वजह से रेफर किया जा रहा है। विधायक ने कहा कि पर्ची पर ज्यादा रुपए लेने वाले कर्मचारी को हटाने का आदेश भी दिया। विधायक अधिकारियों के सामने एक व्यक्ति को फोन कर भी जानकारी ली। उस व्यक्ति ने विधायक को बताया कि उनकी पत्नी की अस्पताल में डिलीवरी के बाद अभी तक कोई राशि नहीं मिली है। इसके बाद विधायक ने और सख्त लहजे में अधिकारियों को जनता को परेशान न करने की चेतावनी दी।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, शक्ति शंकर द्वारा फाईन आफसेट प्रिंटर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्शीपुर, जनपद–गोरखपुर से मुद्रित कराकर, मुहल्ला–द्वितीय तल पुष्पांजलि काम्प्लेक्स शाही मार्केट, गोलघर, जनपद–गोरखपुर से प्रकाशित।
प्रधान संपादक :
शक्ति शंकर
मो नं.
7233999001
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र गोरखपुर न्यायालय होगा।